सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

5 मई को राष्ट्रपति से मिलेंगे राघव चड्ढा, पंजाब में राज्य.... पेज: 7

दोस्ती शादी को सरल बनाती है। पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 33 | सोमवार 04 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

क्रूज हादसा : चौथे दिन मिले चाचा-भतीजे के शव, अब मरने वालों की संख्या हुई 13

-मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल, अभी भी जारी सर्चिंग ऑपरेशन

धनबाद (एजेंसी)। जबलपुर,(ईएमएस)। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह कामराज आर का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी। हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। बता दें 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में गए। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

हैदराबाद में खौफनाक घटना, कार के बोनट पर व्यक्ति को 2 किमी तक घसीटा

-पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में सड़क में हुए विवाद के बाद एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यू-टर्न को लेकर हुए झगड़े के बाद एक कार चालक ने एक व्यक्ति को लगभग 2 किलोमीटर तक कार के बोनट पर घसीट दिया। यह घटना 1 मई की रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मीडिया को बताया, कि पीड़ित व्यक्ति अपने बेटे के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था। बेटे ने यू-टर्न लेने के लिए इंडिकेटर दिया था, जिस पर पीछे से आ रहे कार चालक से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर कार चालक ने कथित तौर पर युवक के बाल पकड़ लिए, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अपने बेटे को बचाने के लिए पिता कार के बोनट पर चढ़ गया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे लेकर आगे तेजी से बढ़ता चला गया। आरोपी कार चालक मीरपेट से बालापुर तक लगभग 2 किलोमीटर तक पीड़ित को बोनट पर घसीटता रहा और बाद में मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। पीड़ित की शिकायत पर मीरपेट पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गायक फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी को लगी गोली

गुरुग्राम (एजेंसी)। सेक्टर 40 थाना क्षेत्र के कन्हई गांव में शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गायक राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर के बाहर फायरिंग की। यहां चार राउंड फायरिंग की गई। इसमें एक गोली घर के बाहर सुरक्षा में तैनात सिपाही को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा और फॉरेंसिक की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक सौरभ यादव को पहले ही दीपक नांदल गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। उसे काफी समय से विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आ रहे थे। सौरभ पहले राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर थे और उसके सबसे ज्यादा करीबी भी रहे हैं। रात करीब साढ़े 11 बजे बाइक सवार दो युवक आए जिन्होंने चार राउंड फायरिंग की। इस दौरान सुरक्षा में तैनात सिपाही कुलबीर घर के बाहर मौजूद थे, जिन्हें एक गोली पेट को छूकर निकल गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घायल सिपाही कुलबीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें इससे पहले पिछले साल जुलाई में गायत राहुल फाजिलपुरिया पर भी जानलेवा हमला हुआ था। एसपीआर रोड पर दो बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की थी। इसके बाद गायक के फाइनेंसर की भी गोलियों मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि दीपक नांदल और राहुल फाजिलपुरिया के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। दीपक ने सभी मामलों में सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली थी और पैसे वापस करने के लिए धमकी दी थी।

चंडीगढ़ में चली आंधी-तूफान, घरेलू उड़ानों पर पड़ा असर, उड़ानें देरी से हुई रवाना

चंडीगढ (एजेंसी)। रविवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश ने चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया। इसका सीधा असर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एअरपोर्ट की उड़ानों पर पड़ा, जहां कई घरेलू उड़ानों को देर से रवाना होना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7:50 बजे हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-1862 को मौसम की खराब स्थिति के कारण करीब एक घंटे देरी यानी 9:02 बजे चंडीगढ़ एअरपोर्ट से उड़ान भर सकी। इस तरह सुबह 8:10 बजे बेंगलुरु के लिए इंडिगो की फ्लाइट 6E 6634 भी प्रभावित हुई और यह विमान 9:18 बजे रवाना हुआ। वहीं सुबह 8:20 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-472 भी समय पर उड़ान नहीं भर सकी और यह 9:09 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई। हालांकि, एअरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों पर इस मौसम का ज्यादा प्रभाव नहीं देखा गया। इसका मुख्य कारण एअरफोर्स द्वारा लगाया गया नोटम बताया जा रहा है। इस नोटम के तहत रविवार को सुबह 7:40 बजे से पहले और दोपहर 1:30 बजे के बाद आगमन की अनुमति तय की गई थी, जिससे लैंडिंग संचालन नियंत्रित और सुरक्षित रहा। एअरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक खराब मौसम के बावजूद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उड़ानों का संचालन सावधानीपूर्वक किया गया।

चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा, नीतीश की तर्ज पर चलेगा बिहार

डिप्टी सीएम बोले- मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं, जेडीयू का ट्रिपल सी पर फोकस

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव से पहले 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा दिया गया था। अगले पांच साल बिहार उसी तर्ज पर चलेगा, जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं नीतीश के मन मुताबिक ही बीजेपी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया है। सम्राट चौधरी का बैकग्राउंड भी बीजेपी वाला नहीं है। पटना से चंपारण तक अचानक प्रेसवार्ता कर ताबड़तोड़ सुरक्षा वाली गारंटी दी?

सियासी गलियारे में सवाल पूछे जा रहे हैं कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो प्रेस के जरिए गारंटी दी जाने लगी है? राजनीतिक संशयों के बीच उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और विकास का भरोसा दिलाया। उन्होंने साफ किया कि सत्ता का शीर्ष चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा। पटना जेडीयू प्रदेश कार्यालय में मीडिया से मुखातिब विजय चौधरी ने कहा कि भले ही कमान सम्राट चौधरी के हाथों में है, लेकिन सरकार का एजेंडा वही रहेगा जो नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में स्थापित किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के नाम का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों को गुमराह करना अब संभव नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय चौधरी ने जोर देकर कहा कि चुनाव से पहले दिया गया 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा सरकार के लिए प्रतिबद्धता है। अगले पांच साल बिहार का शासन उसी तर्ज पर चलेगा जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने भी विधानसभा में साफ कर दिया है कि उनकी सरकार क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म (3सी) से कोई समझौता नहीं करेगी। सांप्रदायिकता के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। चौधरी ने आरजेडी का नाम लिए बिना 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें अल्पसंख्यकों को सिर्फ सुरक्षा का डर दिखाकर सत्ता हासिल करती थीं। सरकार का दायित्व केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की माली हालत सुधारना भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल बीजेपी का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों का राजनीतिक शोषण करता रहा है। चौधरी यहीं नहीं रूके। उन्होंने नीतीश कुमार के शासनकाल में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए उठाए गए कामों को भी गिनाया।

नीतीश कुमार के कार्यकाल में मदरसों की ढांचागत और शैक्षणिक स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ। छात्र क्रेडिट कार्ड और पोशाक योजना जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज को मिला। कमजोर तबके के उत्थान के लिए चलाई गई योजनाओं ने अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग रही। दरअसल 2023 की बिहार जाति आधारित गणना के मुताबिक राज्य में मुस्लिम आबादी 17.7फीसदी है। इनमें अनुमान के मुताबिक 12-14फीसदी मुस्लिम जेडीयू को और 70-75फीसदी आरजेडी को वोट डालते हैं। जो मुस्लिम जेडीयू को वोट देते हैं, वो सिर्फ और सिर्फ नीतीश पर भरोसा करते हैं। अब कुर्सी बदल गई तो उसे मेंटेन रखना एक चुनौती है। अब सीएम की कुर्सी नीतीश से खिसककर बीजेपी के सम्राट चौधरी के पास पहुंच गई है। आरजेडी कुछ गेम न कर दे, इसे लेकर पहले की तैयारी के तौर पर जेडीयू के प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखा जा रहा है।

बंगाल की खाड़ी में चीन का जासूसी जहाज शी यान 6 दाखिल, भारत के रणनीतिक बैकयार्ड में ड्रैगन की सेंध का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। जासूसी की अपनी पुरानी फितरत को दोहराते हुए चीन ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग का अत्याधुनिक रिसर्च वेसल और जासूसी जहाज 'शी यान 6' भारतीय समुद्री सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में दाखिल हो चुका है। सैटेलाइट इमेजरी और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए नक्शों से इस बात की पुष्टि हुई है कि मालदीव के माले में ईंधन और रसद भरने के बाद यह जहाज अब सीधे भारत के रणनीतिक बैकयार्ड की टोह लेने के मिशन पर निकल पड़ा है। यह जहाज मार्च 2025 में हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हुआ था और तब से लगातार भारत की समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहा है। शी यान 6 का यह मिशन केवल वैज्ञानिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का यह साइलेंट किलर जहाज चार प्रमुख तरीकों से भारत की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्री सतह के नीचे का डेटा चोरी करना है, जो भविष्य में चीनी पनडुब्बियों के लिए गुप्त रास्ते बनाने में मदद कर सकता है। चीन की इस चालबाजी का दूसरा बड़ा कारण उसका मलक्का डिलेमा है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जहाँ भारत का ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक गेटकीपर की भूमिका निभाता है। चीन चाहता है कि वह इस प्रोजेक्ट की भौगोलिक और सैन्य जानकारी समय से पहले जुटा ले, ताकि युद्ध जैसी स्थिति में भारतीय नाकेबंदी को चकमा दिया जा सके।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी की सदस्यता रद्द

-धारवाड़ विधानसभा सीट रिक्त घोषित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कुलकर्णी की सदस्यता 15 अप्रैल 2024 से समाप्त मानी गई है, जिस दिन विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत की गई है।

विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता न केवल उनकी सजा की अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी, बल्कि जेल से रिहाई के बाद भी अगले छह वर्षों तक लागू रहेगी। यह प्रतिबंध तभी हट सकता है जब किसी उच्च या सक्षम अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी जाए। इस फैसले के बाद धारवाड़ विधानसभा सीट को आधिकारिक तौर पर रिक्त घोषित कर दिया गया है। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब 15 जून को धारवाड़ के एक जिम में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौड़ा को विनय कुलकर्णी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। घटना के समय कुलकर्णी सिद्धारमैया सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। शुरुआत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन भाजपा द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाए जाने और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद कुलकर्णी की मुश्किलें बढ़ गईं। सीबीआई जांच में उन्हें हत्या की साजिश रचने का मुख्य आरोपी पाया गया। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 15 अप्रैल को कुलकर्णी समेत 16 अन्य लोगों को इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुरुआत में सजा की आधिकारिक सूचना मिलने तक कार्रवाई में देरी की बात कही थी, लेकिन विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद यह अधिसूचना जारी की गई। कुलकर्णी, जो वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष भी थे, ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। फिलहाल वह बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि एक रसूखदार नेता को अपने ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के षड्यंत्र में पद गंवाना पड़ा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: मतगणना से पहले फाल्टा में भारी बवाल

अभिषेक बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की आहट के बीच प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। 4 मई 2026 को होने वाली मतगणना से ठीक पहले दक्षिण 24 परगना जिले का फाल्टा विधानसभा क्षेत्र भारी तनाव और हिंसा के आरोपों का केंद्र बन गया है। फाल्टा में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगी इस्त्राफील चौकीदार के खिलाफ स्थानीय जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर टीएमसी नेताओं पर डराने-धमकाने और घर जलाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

यह विवाद तब और गहरा गया जब भाजपा आईटी सेल की ओर से सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि फाल्टा में मतदाताओं को धमकाने के आरोप में अतीबुर शेख, हबीब शेख और हबीब मोल्ला को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन मुख्य आरोपी इस्त्राफील चौकीदार अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या बंगाल पुलिस कार्रवाई के लिए सत्ताधारी दल के निर्देशों का इंतजार कर रही है। स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई है कि यदि भाजपा चुनाव जीतती है, तो उनके घर जला दिए जाएंगे और खून-खराबा होगा।

विवाद उस समय व्यक्तिगत हमले में बदल गया जब निर्वाचन आयोग ने शिकायतों के आधार पर फाल्टा में फिर से चुनाव कराने का निर्णय लिया। इस फैसले के बाद टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधा निशाना साधते हुए उन्हें कठपुतली तक कह डाला। अभिषेक बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि उनके डायमंड हार्बर मॉडल को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता। उन्होंने विरोधियों को फाल्टा में आकर चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी।

निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई और अभिषेक बनर्जी के कड़े तेवरों ने चुनाव की निष्पक्षता को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां विपक्षी दल इसे सत्ता की हताशा बता रहे हैं, वहीं टीएमसी इसे राज्य की छवि खराब करने की साजिश करार दे रही है। फिलहाल फाल्टा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे राज्य की नजरें 4 मई को आने वाले जनादेश पर टिकी हैं।

अखिलेश यादव ने बीजेपी को बताया 'झूठ की सोन पपड़ी' : फाल्टा में पुनर्मतदान के फैसले पर उठाए सवाल, टीएमसी की जीत का दावा

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान के फैसले को लेकर उन्होंने बीजेपी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी 卐झूठ की सोन पपड़ी卐 की तरह है, जो एक झूठ के ऊपर दूसरा झूठ चढ़ाती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए बहाने ढूंढ रही है। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराने का फैसला इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, पुनर्मतदान का फैसला मीडिया रिपोर्ट्स और टीवी प्रसारण के आधार पर लिया गया, जो कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अखिलेश ने कहा कि यदि मतदान केंद्रों के अंदर तक मीडिया की पहुंच थी, तो यह नियमों के विपरीत है, खासकर तब जब सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि बूथ कैप्चरिंग जैसी आशंका जताई गई है, तो चुनावी पर्यवेक्षकों की भूमिका की जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही के कारण पुनर्मतदान की नौबत आई है, तो उसके खर्च की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने दावा किया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट बढ़त मिल रही है और जनता ने पहले ही उसे आगे कर दिया है। उन्होंने बीजेपी पर 卐षड्यंत्र卐 रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हर कोशिश को नाकाम कर देंगे। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक जीत का आधिकारिक प्रमाण हाथ में न आ जाए, तब तक पूरी तरह चौकन्ना रहना जरूरी है।

तिरुपति लड्डू विवाद: टीटीडी ने बिना जांच के खरीदा 70 लाख किलो घी

जांच रिपोर्ट में बड़े भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा

अमरावती (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए घी की खरीद में एक बड़े घोटाले और प्रशासनिक विफलता का खुलासा हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि टीटीडी ने बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी की खरीद की। इस लापरवाही के कारण ही आपूर्तिकर्ताओं को प्रसाद के लिए मिलावटी घी देने का मौका मिला।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से प्रशासनिक विफलता थी। रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी के अधिकारियों ने शुरू में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कड़े मानकों को लागू करने की योजना बनाई थी, जिसे जुलाई 2022 से प्रभावी होना था। हालांकि, बाद में नियमों में गुपचुप तरीके से ढील दे दी गई और आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी जांचों से छूट प्रदान की गई। इसी छूट का फायदा उठाकर भारी मात्रा में घटिया गुणवत्ता वाला घी खरीदा गया।

आयोग ने पाया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों को जानबूझकर कमजोर किया गया। कम कीमत की बोलियों को बिना जांचे स्वीकार किया गया और उन कंपनियों को भी ठेके दिए गए, जिनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता तक नहीं थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि अगस्त 2022 की एक लैब रिपोर्ट, जिसमें घी में वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट) की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी, उसे अधिकारियों ने दबा दिया। मिलावट सिद्ध होने के बावजूद संबंधित कंपनियों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने के बजाय उनसे आपूर्ति जारी रखी गई। रिपोर्ट में टीटीडी की अपनी प्रयोगशाला की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। बताया गया कि लैब के आधुनिकीकरण का काम तीन साल तक टाल दिया गया और निरीक्षण समितियों में उन्हीं लोगों को रखा गया जो खरीद प्रक्रिया से जुड़े थे, जिससे स्वतंत्र निगरानी खत्म हो गई। प्रीमियर एग्री फूड्स, एआर डेयरी फूड और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी जैसी कंपनियों पर मिलावटी घी और सिंथेटिक केमिकल के इस्तेमाल के गंभीर आरोप हैं। आयोग ने इस पूरी गड़बड़ी के लिए टीटीडी बोर्ड, खरीद समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। प्रशासन की इस अनदेखी ने न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुँचाई, बल्कि खाद्य सुरक्षा के मानकों की भी धज्जियां उड़ा दीं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा- कश्मीरी पंडितों के बगैर अधूरा है जेएंडके

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शांति, भाईचारे और सुरक्षा को लेकर दो महत्वपूर्ण स्वर उभरे हैं। एक ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों की घर वापसी की वकालत करते हुए घाटी के पुराने स्वरूप को बहाल करने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नशे के कारोबार और आतंकवाद के गठजोड़ को खत्म करने के लिए निर्णायक युद्ध का शंखनाद किया है।एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कश्मीर सभी समुदायों का साझा घर है और पंडितों के बिना यह अधूरा है। उन्होंने 1990 के दशक में हुए पलायन को क्षेत्र के लिए सबसे बड़ा मानवीय और सांस्कृतिक नुकसान बताया।

अब्दुल्ला ने भावुक होते हुए कहा, मैं अल्लाह से दुआ करता हूं कि जो लोग यहां से चले गए, वे अपने घरों को वापस लौटें और एक बार फिर खुशहाली से रहें। कश्मीर की असली पहचान हिंदू, मुस्लिम और सिख समुदायों का आपसी मेलजोल ही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि घाटी में जल्द ही वह दौर वापस आएगा जब सभी समुदाय पुराने गौरव और भाईचारे के साथ एक साथ रहेंगे। घाटी के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की इस अपील के बीच, प्रशासन सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर बेहद सतर्क है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार को एक रणनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशीली दवाओं का व्यापार सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को बर्बाद करना और नारको-टेरर के जरिए अशांति फैलाना है। प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपराज्यपाल ने एक विशेष 3पी रणनीति को लागू किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ड्रग सप्लाई चेन को ध्वस्त करना, शिक्षा के माध्यम से जागरूकता फैलाना और नशे के शिकार युवाओं का प्रभावी पुनर्वास करना है। प्रशासन का मानना है कि सीमाओं पर सक्रिय सप्लाई चेन को तोड़ना न केवल युवाओं को बचाएगा, बल्कि आतंकवाद की फंडिंग पर भी करारी चोट करेगा। अब यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें पुलिस और जनता के बेहतर तालमेल से सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

कनाडा बनाम भारत: सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने छेड़ी वर्क-लाइफ बैलेंस की बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक भारतीय मूल के व्यक्ति का वीडियो काफी चर्चा बटोर रहा है, जिसमें उसने कनाडा और भारत के आईटी सेक्टर के कार्य परिवेश के बीच के बड़े अंतर को उजागर किया है। इस वीडियो ने प्रोफेशनल जगत में वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर एक नई राष्ट्रीय बहस छेड़ दी है। वीडियो में वह व्यक्ति कनाडा के एक ऑफिस का दृश्य दिखाते हुए बताता है कि वहां शाम 4:30 बजते ही कर्मचारी अपना काम समेटकर घर के लिए निकल जाते हैं। उसके अनुसार, विदेशों में समय पर ऑफिस छोड़ना एक सामान्य संस्कृति है, जहां लोग काम के बाद अपनी निजी जिंदगी और परिवार को प्राथमिकता देते हैं।

कनाडा की तुलना भारत से करते हुए उस व्यक्ति ने बताया कि भारत के आईटी ऑफिसों में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। यहां कर्मचारियों को अक्सर 10 से 12 घंटे की लंबी शिफ्ट करनी पड़ती है। कई मामलों में तो कर्मचारी तब तक अपनी सीट नहीं छोड़ पाते, जब तक उनके वरिष्ठ अधिकारी या बॉस उन्हें जाने का संकेत न दे दें। वीडियो के मुताबिक, कनाडा में काम के बाद लोग अपने शौक पूरे करने, जिम जाने या घूमने के लिए स्वतंत्र होते हैं, जबकि भारत में काम के भारी दबाव और हर समय उपलब्ध रहने की अपेक्षा के कारण लोगों के पास खुद के लिए समय ही नहीं बचता।

वीडियो का मुख्य संदेश यह है कि काम केवल आजीविका का साधन होना चाहिए, न कि पूरी जिंदगी का केंद्र। उस व्यक्ति ने सुझाव दिया है कि यदि भारत में भी काम के घंटों और ओवरटाइम को लेकर कड़े नियम लागू किए जाएं, तो यहां के कार्य परिवेश में बड़ा सुधार हो सकता है। इस वीडियो पर नेटिजन्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। जहां बड़ी संख्या में लोग विदेशी वर्क-कल्चर की तारीफ कर रहे हैं, वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन ऑफिस कल्चर में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है। यह वीडियो एक गंभीर सवाल खड़ा करता है कि क्या निरंतर बढ़ता पेशेवर दबाव हमारी व्यक्तिगत खुशियों को निगल रहा है?

मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

तनवीर जाफ़री

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

अमेरिका व इस्त्राईल द्वारा गत 28 फरवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फरवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनकाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके खून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौका था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज से बेनकाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल

पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अराग़ची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का खून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ तौर पर इसे गैर जिम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक गलती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी जोरदार मांग हुई।

बहरहाल, इस्त्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक युद्ध के दौरान अबूगरेब जेल में कैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफगानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज पर इस्त्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व गजा के इलाकों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्त्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस कद्र गूँज रही हैं कि मानवीय हृदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफा देकर अपनी इज्जत बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना गलत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक मिनाब 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनकाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।

संपादकीय

ट्रंप का 'तूफान' क्या है?

राष्ट्रपति ट्रंप अब भी युद्धोन्मादी हैं। ईरान को ह्यकब्रिस्तान-साह्ल बनाने के बावजूद उनका दिल नहीं पसीजा है। उन्होंने अब भी किसी ह्यतूफानह्ल के आने की धमकी दी है और दावा किया है कि उस तूफान को कोई रोक नहीं सकेगा। क्या ट्रंप अब ईरान पर परमाणु हमला भी कर सकते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने ईरान में परमाणु स्थितियों पर चिंता जताई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है। पेंटागन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप से पूछ रही है कि जब 2025 के हमले में ईरान के परमाणु एवं यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तबाह कर दिया गया था, तो फिर यह युद्ध क्यों किया गया? राष्ट्रपति उसी परमाणु कार्यक्रम की नए सिरे से बात क्यों कर रहे हैं? क्या ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम आज भी जारी है? अब सैनिक और युद्धपोत मध्य-पूर्व के क्षेत्रों में क्यों मौजूद हैं?

क्या अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप को बाध्य कर सकती है कि वह सैनिकों की वापसी का आदेश दें? युद्ध पर 25 अरब डॉलर नासा के खर्च के बराबर है, जिसे ट्रंप की सामंतवादी सोच ने यूं ही फूक दिया। कैबिनेट में उपराष्ट्रपति वेंस शुरू से ही युद्ध-विरोधी थे, लेकिन अब उनका युद्ध मंत्री हेगसेथ के साथ विवाद बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति का गंभीर आरोप है कि युद्ध मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को गलत ब्रीफ कर रहे हैं, लिहाजा ईरान से अभी तक अमरीका जीत नहीं पाया है। उपराष्ट्रपति का आग्रह है कि अब युद्ध को स्थायी विराम दिया जाना चाहिए। इस तरह युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप कैबिनेट विभाजित है और राष्ट्रपति 'तूफान' की धमकियां दे रहे हैं! पेंटागन भी राष्ट्रपति को गलत सूचनाएं दे रहा है। हकीकत यह है कि अमरीकी मिसाइलों, ड्रोन, थाड, पैट्रियट आदि वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों के भंडार काफी कम हो चुके हैं। रणनीतिक तौर पर यह अमरीका के लिए खतरनाक स्थिति है। हथियारों के पर्याप्त भंडारण के लिए अपेक्षित उत्पादन में 3-5 साल का वक्त भी लग सकता है।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं।

इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चुनावी जीत-हार न बने जीवन-मरण का प्रश्न

डॉ हिदायत अहमद खान

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी की नजरें मतगणना के साथ आने वाले रिजल्ट पर टिक गई हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की कवायद भर नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता और जनता के भरोसे की परीक्षा भी साबित होने वाले हैं। सोमवार 4 मई को होने वाली मतगणना को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है, वह इस बात का संकेत है कि चुनाव अब सिर्फ जीत-हार का खेल नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। मतदान के बाद आमतौर पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस बार खासकर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे विवादों ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। मतगणना में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर मामला पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। यह स्थिति दर्शाती है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह बढ़ा है। हालांकि चुनाव आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और नियमों के पालन का भरोसा दिया है, फिर भी सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कदम जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पर्याप्त हैं? खासतौर पर तब जबकि चुनाव के दौरान यह सुनने को मिला कि पश्चिम बंगाल में चुनाव टीएमसी और भाजपा के बीच नहीं बल्कि टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। इसने न सिर्फ चुनाव प्रक्रिया को बल्कि निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लगा दिया। चुनाव की तिथि घोषित होने से लेकर चुनाव प्रचार और मतदान के बीच और अब परिणाम आने से पहले तक जिस तरह का माहौल बनता दिखा है, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। इसने न सिर्फ चुनाव आयोग की स्वतंत्र व निष्पक्ष के साथ ईमानदार प्रक्रिया पर संदेह पैदा किया बल्कि न्यायपालिका क्या कर रही है, इस पर भी नजर डालने को मजबूर किया है। न्यायालय की तारीख पर तारीख वाली परिपाटी से लेकर सख्त टिप्पणी के बाद फैसलों को रोके रखने ने लोगों को सवाल उठाने का मौका फराहम कराया है। जब यह कहा जाने लगे कि तमाम जांच एजेंसियां और स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं भी केंद्र के इशारे पर उठ-बैठ और फैसले लेने से लेकर कार्रवाई करती नजर आ रही हैं तो वाकई चिंता का विषय हो जाता है। इस पूरी कवायद में विपक्ष के संविधान बचाओ मुहिम को सही ठहराया जाना उचित लगने लगता है।

बहरहाल पांच राज्यों में मतदान पूर्ण होने के साथ ही अब नतीजे आने का इंतजार है, क्योंकि इससे यह भी मालूम चलेगा कि जो एग्जिट पोल्स अभी तक जो दावा करते आ रहे हैं वो कितने सही बैठते हैं। एग्जिट पोल्स ने इस बार अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न तस्वीरें पेश की है। कहीं स्पष्ट बहुमत, तो कहीं कांटे की टक्कर दिखाकर लोगों का ध्यान भी खूब खींचा है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के दावे 200 के पार से अलग पश्चिम बंगाल में मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है, जहां 'साइलेंट वोटर' निर्णायक भूमिका में होने का दावा भी किया जा रहा है। यह अनिश्चितता लोकतंत्र की खूबसूरती भी है और चुनौती भी। नतीजे प्रभावित न हों और हेर-फेर से मतदाताओं के मतों को बचाने मानों एक अलग ही संघर्ष जारी है। इसी प्रकार तमिलनाडु में संभावित राजनीतिक बदलाव का दावा किया जा रहा है। यह एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच नए चेहरे का उभार यह दर्शाता है कि मतदाता अब विकल्प तलाशने के लिए तैयार हैं, जो गलत भी साबित हो सकता है। वहीं असम में सत्तारूढ़ दल की संभावित लगातार तीसरी जीत यह संकेत देती है कि क्षेत्रीय नेतृत्व और संगठनात्मक मजबूती अभी भी निर्णायक कारक हैं। इसकी भी परीक्षा होगी और परिणाम बताएंगे कि कौन पास और कौन फेल रहा। केरल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा लौटने की संभावना और वामपंथी राजनीति के कमजोर पड़ने के संकेत एग्जिट पॉल्स से मिलते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह केवल एक राज्य का परिणाम नहीं होगा, बल्कि देश की राजनीतिक दिशा पर भी असर डालेगा। दूसरी ओर, पुडुचेरी में गठबंधन की वापसी का दावा किया जा रहा है। इन तमाम परिदृश्यों के बीच सबसे अहम सवाल यह है कि क्या चुनावी प्रक्रिया जनता के विश्वास पर खरी उतर रही है? चुनाव आयोग की भूमिका, न्यायपालिका का हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों का आचरण तीनों मिलकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत या कमजोर करते हैं। जब चुनाव परिणाम आने से पहले ही विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और कानूनी लड़ाइयां शुरू हो जाती हैं, तो यह लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। यहां समझना होगा कि चुनाव केवल सरकार बनाने या गिराने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह जनता की आवाज का सबसे सशक्त माध्यम भी हैं। यदि इस प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होना ही होना है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष चाहे वे राजनीतिक दल हों, चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी को समझें और पारदर्शिता तथा निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कुल मिलाकर सेवा का भाव जो सभी स्तर पर देखने को मिलना चाहिए वह कहीं गुम हो चुका है। इसलिए ये चुनाव एक तरह से जीवन-मरण का प्रश्न बन गए हैं, जो होना नहीं चाहिए।

समकालीन समाज के विविध आयामों की कृति है- बारिश की बूँदें

हिंदी साहित्य में लघुकथा एक ऐसी सशक्त विधा के रूप में प्रतिष्ठित हो चुकी है, जो कम शब्दों में जीवन के जटिल यथार्थ को अभिव्यक्त करने की क्षमता रखती है। इस विधा की सबसे बड़ी शक्ति उसका तीक्ष्ण कथ्य, संक्षिप्त संरचना और प्रभाव की गहराई है। आर. एस. आघात का लघुकथा-संग्रह बारिश की बूँदें इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए समकालीन समाज के विविध आयामों को संवेदनशीलता, ईमानदारी और साहित्यिक प्रतिबद्धता के साथ प्रस्तुत करता है।

बारिश की बूँदें शीर्षक अपने आप में बहुस्तरीय अर्थ समेटे हुए है। बारिश जहाँ एक ओर जीवन, हरियाली और आशा का प्रतीक है, वहीं उसकी बूँदें छोटी होते हुए भी सामूहिक रूप से बड़े परिवर्तन का संकेत देती हैं। ठीक उसी तरह, इस संग्रह की लघुकथाएँ आकार में छोटी हैं, परंतु उनका प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लेखक मानो यह संकेत करता है कि सामाजिक परिवर्तन किसी एक बड़े आंदोलन से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी मानवीय संवेदनाओं और हस्तक्षेपों से संभव होता है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसका विषयगत वैविध्य है। लेखक ने समाज के हाशिए पर खड़े लोगों से लेकर मध्यवर्गीय नैतिक द्वंद्व, धार्मिक सहअस्तित्व, प्रेम, हिंसा, लालच, संवेदना, वृद्धावस्था, स्त्री-जीवन और कार्यस्थल की जटिलताओं तक–जीवन के लगभग हर पक्ष को लघुकथा के दायरे में समेटा है।

बचपन में व्यापार जैसी लघुकथा बाल-श्रम, गरीबी और व्यवस्था की विफलता का मार्मिक दस्तावेज है। रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थान को लेखक ने केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया है, जहाँ भीड़ के बीच एक बच्चा अपना बचपन खो देता है। यह कहानी पाठक को भावुक करने के साथ-साथ व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न भी लगाती है।

ह्यजागुरा और मघुरा का मरुस्थलीय प्रेमह्ल सामाजिक वैमनस्य, जातीय-कबीलाई संघर्ष और पीढ़ियों से चली आ रही दुश्मनी के बीच मानवीय प्रेम की संभावना को रेखांकित करती है। मरुस्थल यहाँ केवल भौगोलिक स्थिति नहीं, बल्कि सूखे मन और संवेदनहीन समाज का प्रतीक बन जाता है, जहाँ प्रेम एक क्रांतिकारी हस्तक्षेप के रूप में उभरता है। समकालीन सामाजिक यथार्थ आर. एस. आघात की लघुकथाएँ समकालीन समाज का जीवंत दस्तावेज हैं। ह्यसपनों के जुर्महृ महानगरीय जीवन में फैले उपभोक्तावाद, लालच और नैतिक पतन को उजागर करती है। यह कथा बताती है कि कैसे सपनों की अंधी दौड़ व्यक्ति को अपराध की ओर धकेल देती है और अंततः वह स्वयं अपने ही सपनों का हत्यारा बन जाता है। शहर में वरिष्ठ नागरिक वृद्धावस्था की

उपेक्षा, पारिवारिक स्वार्थ और भावनात्मक अकेलेपन की कहानी है। यह कथा आधुनिक समाज के उस चेहरे को सामने लाती है, जहाँ सुविधाएँ तो हैं, पर संवेदनाएँ सिकुड़ती जा रही हैं। लेखक बिना किसी आरोप-प्रत्यारोप के, केवल स्थितियों को प्रस्तुत कर पाठक को आत्ममंथन के लिए विवश करता है। ह्यऑफिस वाली लड़कीह्ल संग्रह की अत्यंत महत्वपूर्ण लघुकथा है, जो आधुनिक कार्यस्थलों पर स्त्री की मानसिक स्थिति, मातृत्व और पेशेवर दबाव के द्वंद्व को सूक्ष्मता से उभारती है। यहाँ लेखक किसी एक पात्र को दोषी नहीं ठहराता, बल्कि उस व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करता है जहाँ संवेदना और संवाद के स्थान पर संदेह और आरोप हावी हो जाते हैं। यह कथा आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है और पाठक को सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम मानवीय संवेदनाओं को धीरे-धीरे अपराध मानने लगे हैं।

धर्म, सह-अस्तित्व और सामाजिक सौहार्द विचित्रापुर का धर्म लघुकथा धार्मिक विविधता, सह-अस्तित्व और साम्प्रदायिक सौहार्द का सुंदर उदाहरण है। लेखक यह स्पष्ट करता है कि धर्म का वास्तविक स्वरूप जोड़ने का होता है, तोड़ने का नहीं। सोशल मीडिया और अफवाहों के दौर में बढ़ते धार्मिक तनावों के बीच यह कथा शांति और संवाद का संदेश देती है।

भाषा-शैली की दृष्टि से ह्यबारिश की बूँदेंह्ल एक सशक्त संग्रह है। लेखक की भाषा सरल, सहज और प्रभावी है। अनावश्यक दार्शनिकता या भाषिक आडंबर से बचते हुए वे सीधी, संवादात्मक भाषा का प्रयोग करते हैं। संवाद छोटे हैं, लेकिन अर्थपूर्ण हैं। वर्णन इतना सजीव है कि दृश्य आँखों के सामने उभर आते हैं। लघुकथा विधा की माँग के अनुसार लेखक ने संक्षिप्तता और संकेतात्मकता का सफल निर्वाह किया है। अधिकांश कथाओं के अंत खुले हैं, जो पाठक को सोचने का अवसर देते हैं। यह तकनीक कथाओं को उपदेशात्मक बनने से बचाती है और उन्हें साहित्यिक ऊँचाई प्रदान करती है। इस संग्रह में प्रतीकों और बिंबों का प्रयोग अत्यंत सधे हुए ढंग से हुआ है। स्टेशन, बारिश, मरुस्थल, भीड़, सड़क, ऑफिस– ये सभी केवल स्थान नहीं, बल्कि सामाजिक यथार्थ के प्रतीक बन जाते हैं। बारिश कहीं संकट है, कहीं आशा; कहीं भय है, तो कहीं जीवन का भरोसा। यही बहुअर्थकता इस संग्रह को साहित्यिक गहराई प्रदान करती है।

आर. एस. आघात की लेखक-दृष्टि स्पष्ट रूप से मानव-केंद्रित है। वे समाज को भीतर से देखते हैं–हाशिए से, पीड़ा से, संघर्ष से। उनकी लघुकथाओं में करुणा है, लेकिन करुणा के साथ विवेक भी है। वे न तो भावुकता में बहते हैं, न ही नारेबाजी करते हैं। उनकी प्रतिबद्धता साहित्य के माध्यम से समाज को आईना दिखाने की है।

समकालीन हिंदी लघुकथा के परिदृश्य में बारिश की बूँदें का महत्वपूर्ण स्थान है। यह संग्रह सिद्ध करता है कि लघुकथा केवल प्रयोग या मनोरंजन की विधा नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक विमर्श की सशक्त माध्यम है। आर. एस. आघात ने इस संग्रह के माध्यम से यह स्थापित किया है कि लघुकथा आज के समय की सबसे प्रभावी साहित्यिक विधाओं में से एक है। समग्रतः, बारिश की बूँदें एक संवेदनशील, विचारोत्तेजक और साहित्यिक दृष्टि से सशक्त लघुकथा-संग्रह है। यह संग्रह पाठक को केवल पढ़ने का नहीं, बल्कि सोचने, ठहरने और आत्ममंथन करने का अवसर देता है। आर. एस. आघात ने छोटी-छोटी कथाओं के माध्यम से बड़े सामाजिक सत्य उजागर किए हैं। यह कृति निश्चय ही हिंदी लघुकथा साहित्य में एक उल्लेखनीय योगदान है और गंभीर पाठकों, शोधार्थियों तथा साहित्य-प्रेमियों के लिए पठनीय एवं संग्रहणीय है।

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

अवैध हथियार के साथ युवक को नौगांवा पुलिस ने किया गिरफ्तार

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की नौगांवा सादात पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से एक 315 बोर का देशी तमंचा व एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया है। पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत किया गया है।

बता दें कि गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान गुफरान पुत्र इजहार हुसैन निवासी मोहल्ला अली नगर, कस्बा व थाना नौगावां सादात, अमरोहा के रूप में हुई है। जिसे पुलिस ने नौगावां सादात थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 315 बोर का एक देशी तमंचा और 315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में और क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात अवधभान भदौरिया के पर्यवेक्षण में की गई। नौगावां सादात थाना प्रभारी बालेन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया।पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संदीप सालिक और कांस्टेबल हर्ष कुमार शामिल रहे।

अमरोहा के जुहेब खान ने कोयले से बनाई क्रूज हादसे की तस्वीर

मां बेटे की मार्मिक तस्वीर बनाकर लिखा "मां तुझे सलाम"

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के एक युवा चित्रकार ने जबलपुर में हुए क्रूज हादसे की एक मार्मिक तस्वीर कोयले से बनाई है जिसमें उसे चित्रकार ने एक मां बेटी की वायरल तस्वीर को अपने चार फुट के स्केच में उतारकर जीवंत किया है और साथ में "मां तुझे सलाम" लिखा है।

बता दें कि हाल ही में जबलपुर में हुए क्रूज हादसे की इस तस्वीर को अमरोहा के युवा चित्रकार जुहेब खान ने कोयले से बनाया है।यह चित्र जबलपुर क्रूज हादसे के दौरान सामने आई एक मां-बेटे की भावुक तस्वीर पर आधारित है। इस तस्वीर में मां अपने बेटे को सीने से लगाए आखिरी उम्मीद में नजर आ रही थी, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था।जुहेब खान ने सिर्फ चारकोल और कागज का इस्तेमाल कर उस पल की पीड़ा, ममता और बेबसी को इतनी बारीकी से उकेरा है कि देखने वालों की आंखें नम हो जाती हैं। चित्र में मां की आंखों का डर और बेटे को बचाने की जिद स्पष्ट रूप से झलकती है।जुहेब खान ने बताया, "मैंने यह चित्र किसी शोहरत के लिए नहीं बनाया है। वह मां-बेटे की तस्वीर देखकर मैं सो नहीं पाया। मुझे लगा कि मुझे उनके जज्बे को कला के जरिये सलाम करना चाहिए।" उन्होंने इसे उन दोनों और हादसे के सभी पीड़ितों को अपनी श्रद्धांजलि बताया।युवा चित्रकार जुहेब खान पिछले कई सालों से पोर्ट्रेट और रियलिस्टिक स्केच बना रहे हैं। कोयले से बनी उनकी कलाकृतियों की पहले भी कई प्रदर्शनियों में सराहना हो चुकी है। उनके इस नवीनतम कार्य ने एक बार फिर अमरोहा का नाम रोशन किया है, जिसके लिए स्थानीय लोगों और कला प्रेमियों ने उनके घर पहुंचकर उन्हें बधाई दी।

हसनपुर के गंगा एक्सप्रेसवे एवं अलीगढ़ मार्ग पर दो अलग-अलग सड़क हादसों में कई लोग गंभीर रूप से घायल

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार की देर रात दो अलग-अलग सड़क हादसों में छः लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया और मामले की जांच शुरू कर दी।

बता दें कि गंगा एक्सप्रेसवे पर पहला हादसा रुखालू के पास हुआ। प्रयागराज की ओर से आ रही एक कार नीलगाय से टकरा गई, जिससे नीलगाय गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गई और कार क्षतिग्रस्त हो गई।कुछ देर बाद, प्रयागराज से नोएडा जा रहे विनय गुप्ता और उनके भतीजे आयुष गुप्ता की तेज रफ्तार कार अंधेरे के कारण सड़क पर पड़ी घायल नीलगाय को नहीं देख पाई। नीलगाय से टकराते ही कार हवा में उछलकर कई बार पलट गई। इस दुर्घटना में नोएडा निवासी विनय गुप्ता और आयुष गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलने पर सरकारी एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में भर्ती कराया गया। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।इसी रात हसनपुर-अलीगढ़ मार्ग पर कालका वाली डगरोली के पास एक और भीषण दुर्घटना हुई। रहरा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रहे बाइक सवारों को टक्कर मार दी।इस हादसे में हसनपुर के ग्राम शिकरौली मिलक निवासी चार युवक बंटी (पुत्र मुंशी), प्रेमपाल (पुत्र हरप्रसाद), सतीश (पुत्र देवकरन) और सतीश (पुत्र कमल सिंह) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल निजी अस्पताल भर्ती कराया गया। बंटी की हालत गंभीर होने के कारण उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि दोनों ही हादसों की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एबीवीपी की बैठक में शिवा शर्मा को बनाया गया नगर मंत्री

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जिला समिति की बैठक ब्लाक हसनपुर सभागार में संपन्न हुई, जिसमें जिला प्रमुख एवं प्रांत सह मंत्री विकास शर्मा द्वारा शिवा शर्मा को एबीपी नगर इकाई रहरा के नगर मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। इस नियुक्ति के साथ, शिवा शर्मा अब रहरा इकाई के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे और क्षेत्र में छात्र हितों की रक्षा के लिए काम करेंगे। एबीवीपी की इस नियुक्ति को छात्र समुदाय में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर, विकास शर्मा ने कहा कि एबीवीपी छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करता है और यह विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। शिवा शर्मा ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है जिसका निर्वहन मैं छात्र हितों के लिए मेहनत और लगन के साथ करूंगा।

प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में भव्य रूप से किया गया नव-नामांकित छात्र-छात्राओं का स्वागत

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- 'स्कूल चलो अभियान' के तहत विकास खंड क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में शनिवार को एक स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवीन शैक्षणिक सत्र में कक्षा 1 में प्रवेश लेने वाले नन्हे छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करना और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना था।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने नए छात्र-छात्राओं का अत्यंत आत्मीयता से स्वागत किया। उन्होंने प्रत्येक नव-नामांकित छात्र छात्राओं को फूल-मालाएं पहनाईं। स्वागत पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उनमें शिक्षा के प्रति एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने कहा, "बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा की नींव मजबूत होना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'स्कूल चलो अभियान' के तहत हम घर-घर जाकर नामांकन प्रक्रिया को गति दे रहे हैं।" उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को शत-प्रतिशत रूप से प्रतिदिन विद्यालय भेजें। उन्होंने जोर देकर कहा कि नियमित उपस्थिति से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इंद्र, वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह,सहायक अध्यापक अजय सागर, मनीष कुमार, अमित कुमार, रेनू कंसल, राशिद अली, संतराम सिंह, दीपचंद सिंह,राजवती और लीलावती आदि उपस्थित रहे।

धनौरा में संपूर्ण समाधान दिवस पर 20 शिकायतें दर्ज,3 का मौके पर निस्तारण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को मंडी धनौरा तहसील परिसर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कराया गया। जिसमें अपर जिला अधिकारी धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की,जिसके दौरान उन्होंने जन समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

बता दें कि समाधान दिवस में कुल 20 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से सर्वाधिक मामले राजस्व विभाग से संबंधित थे। पुलिस विभाग से भी कई शिकायतें प्राप्त हुईं। कुल शिकायतों में से 03 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।शेष 17 शिकायतों को संबंधित विभागों को हस्तांतरित कर समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए। दर्ज शिकायतों में राजस्व की 13, पुलिस की 6 और विकास विभाग की 1 शिकायत शामिल थी। राजस्व विभाग की अधिकांश शिकायतें अवैध कब्जों और पैमाइश से जुड़ी थीं।एडीएम न्यायिक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने अधिकारियों को जनशिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों को लंबित रखने या गलत रिपोर्ट देने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध कब्जे और पैमाइश के मामलों की जांच के लिए राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाने के आदेश दिए गए।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शैलेश कुमार दुबे, क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंजलि कटारिया, तहसीलदार मूसराम थारु और नायब तहसीलदार योगेश कुमार लोधी व राजपाल सिंह सहित विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इनमें कानूनगो मनोज कुमार, विद्युत विभाग के एसडीओ राजन सिंह, एडीओ पंचायत योगेन्द्र सिंह, एडीओ विकास शर्मा और सप्लाई इंस्पेक्टर मनोज श्रीवास्तव प्रमुख थे।

बिजनौर में फाइनेंस कंपनियों के साथ धोखाधड़ी, फर्जी कागजात तैयार कर बेचते थे ट्रैक्टर

बिजनौर (सब का सपना):- ज़िले में फाइनेंस कंपनियों के जरिए ट्रैक्टर खरीद-बिक्री में बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि एक संगठित गिरोह फाइनेंस पर ट्रैक्टर लेकर उनके कागजात और पहचान में हेरफेर कर बिना भुगतान किए आगे बेच देता था। इस मामले में करीब 53 लाख रुपये मूल्य के 7 ट्रैक्टर बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंस और एयू स्मॉल फाइनेंस कंपनी ने 27 अप्रैल को अपने ट्रैक्टर गायब होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अलावा चोला मंडलम फाइनेंस कंपनी ने भी एक ट्रैक्टर के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई। इन शिकायतों के आधार पर थाना कोतवाली देहात में विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया।

पुलिस विवेचना में सामने आया कि गिरोह ट्रैक्टरों के नंबर प्लेट, चेसिस नंबर और अन्य दस्तावेजों में कूटरचना कर उन्हें दो-तीन बार तक अलग-अलग लोगों को बेच देता था। इससे फाइनेंस कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था। पुलिस ने स्वराज, महिंद्रा, सोनालिका और न्यू हॉलैंड कंपनियों के कुल 7 ट्रैक्टर अलग-अलग स्थानों से बरामद किए हैं। इस मामले में जावेद, संजीव कुमार और भूपेंद्र सिंह के नाम सामने आए हैं, जो फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं।

क्षेत्राधिकारी संग्राम सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और अन्य जिलों में भी इनके नेटवर्क की जांच की जा रही है।

चेयरमैन फैसल वारसी का हज कमेटी पर हमला, 'स्मार्ट वॉच' के नाम पर हज यात्रियों से 87 करोड़ की वसूली का आरोप

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका चेयरमैन फैसल वारसी ने भारतीय हज कमेटी की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए हज यात्रियों के साथ बड़े स्तर पर 'बिजनेस' करने का आरोप लगाया है। चेयरमैन ने तंज कसते हुए कहा कि हज कमेटी को इस बार सवा लाख यात्रियों के साथ करोड़ों का कारोबार करने के लिए 'मुबारकबाद' मिलनी चाहिए। उन्होंने स्मार्ट वॉच की अनिवार्यता को यात्रियों की जेब पर डाका करार दिया है।

चेयरमैन फैसल वारसी ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि इस वर्ष भारत से लगभग 1,25,000 (सवा लाख) जायरीन हज के मुकद्दस सफर पर गए हैं। हज कमेटी ने प्रत्येक यात्री के लिए 'स्मार्ट वॉच' खरीदना अनिवार्य कर दिया और प्रति यात्री 7000 रुपये की वसूली की। चेयरमैन ने गणना करते हुए कहा कि केवल इस घड़ी के धंधे से ही हज कमेटी ने यात्रियों की गाढ़ी कमाई के 87 करोड़ 50 लाख रुपये वसूल लिए हैं। फैसल वारसी ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि इबादत के सफर पर जाने वाले लोगों को सहूलियत देने के बजाय उन पर अनावश्यक आर्थिक बोझ लादा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एक घड़ी के लिए सात हजार रुपये लेना कहाँ का इंसाफ है? चेयरमैन ने कहा कि हज कमेटी ने यात्रियों को यह कहकर डराया कि 'स्मार्ट वॉच खरीदना अनिवार्य है', जिसके चलते यात्रियों के पास भुगतान करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। उन्होंने इसे हज जैसे पवित्र सफर के नाम पर की गई बड़ी वसूली बताया और मांग की कि इस तरह की जबरन खरीदारी पर रोक लगनी चाहिए ताकि यात्रियों का आर्थिक शोषण न हो। स्योहारा चेयरमैन के इस बयान के बाद सोशल मीडिया और नगर के प्रबुद्ध वर्ग में हज कमेटी के इस नए 'नियम' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि पारदर्शी व्यवस्था के नाम पर यात्रियों पर अनावश्यक खर्च लादना अनुचित है। चेयरमैन फैसल वारसी के इन तल्ख तेवरों ने हज कमेटी की मंशा पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। अब देखना यह है कि क्या हज कमेटी इस भारी-भरकम वसूली पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण देती है।

विजय गर्ग बने भारत विकास परिषद गौरव शाखा के अध्यक्ष

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारत विकास परिषद गौरव शाखा के शपथ ग्रहण समारोह में समाजसेवी विजय गर्ग को सत्र 2026-27 के लिए अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम होटल संस्कार में आयोजित हुआ।

प्रांतीय महासचिव मुक्ता अग्रवाल ने अध्यक्ष विजय गर्ग, कोषाध्यक्ष दुष्यंत मांगलिक और सचिव के.डी. गुप्ता को शपथ दिलाई। इस अवसर पर बुद्ध पूर्णिमा पर महात्मा गौतम बुद्ध के आदर्शों पर चलने का संदेश दिया गया।

समारोह में नए सदस्यों को सदस्यता दिलाई गई तथा मजदूर दिवस पर मजदूरों को टिफिन देकर सम्मानित किया गया। पर्यावरण संरक्षण के लिए अतिथियों को पौधे भेंट किए गए। संचालन मनीष मांगलिक व राजेंद्र अग्रवाल ने किया।

डॉ. मोहनलाल जी की पंचम पुण्यतिथि पर कि गई श्रद्धांजलि सभा

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- स्वर्गीय डॉ. मोहनलाल की पंचम पुण्यतिथि पर श्री नवदुर्गा शक्ति मंदिर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर सुंदरकांड का संगीतमय पाठ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मंदिर पदाधिकारियों ने बताया कि ह्रखुर्जा वाली मैया की रसोईह्व सेवा भी उनके परिवार द्वारा कराई गई। वक्ताओं ने डॉ. मोहनलाल को नगर के वरिष्ठ चिकित्सक, समाजसेवी एवं मंदिर के संस्थापक के रूप में याद करते हुए उनके सेवा भाव को प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने किया जोरदार प्रदर्शन

सम्भल (सब का सपना):-प्रदेश में स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली और बढ़ते बिजली बिलों को लेकर जन आक्रोश सड़कों पर उतर आया है। रविवार को सम्भल में आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आतिर हुसैन के नेतृत्व में कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने बिजलीघर पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि नए मीटर जनता की जेब काटने का जरिया बन गए हैं।धरना प्रदर्शन के दौरान आतिर हुसैन ने विभाग की नीतियों पर कड़े प्रहार किए।

स्मार्ट चीटर का आरोप आतिर हुसैन ने कहा कि स्मार्ट मीटर अब स्मार्ट चीटर बन चुके हैं। ये मीटर तेज गति से चलते हैं जिससे बिल कई गुना बढ़कर आ रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिजली की अघोषित कटौती और प्रीपेड व्यवस्था की तकनीकी खामियों ने मध्यम वर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है। कार्यकताओं ने माँग की कि सभी विवादित स्मार्ट मीटरों को तत्काल हटाकर उनके स्थान पर पुराने मीटर फिर से लगाए जाएं। आम आदमी पार्टी ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान नहीं हुआ तो यह विरोध प्रदर्शन केवल बिजलीघर तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले समय में यह आंदोलन हर मोहल्ले और हर गली तक पहुँचेगा। लाखों लोग सड़कों पर उतरकर इस 'लूट का जवाब देंगे।दानिश, मोहम्मद अयूब, अली फराज, इमरान हुसैन, शौकीन, आजम, याकूब, शाहनवाज, इफ्तेखार, मुदस्सर, अतीक, सचिन कुमार, शकीर, रिहान, नसीम, भवन दास, अमर पाल, वीर सिंह, रघुनंदन, खुशीराम, ओमेश कुमार, तौफीक और काशिफ आदि लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन

संभल(सब का सपना):- जनपद के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रविवार को 251वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

मेले के दौरान 34 चिकित्सकों एवं 127 पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 2728 मरीजों का उपचार किया। इनमें 1341 पुरुष, 1001 महिलाएं एवं 386 बच्चे शामिल रहे। साथ ही आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 110 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मेले में बुखार के 286, चर्म रोग के 534, दमा के 369, मधुमेह के 104, नेत्र रोग के 24, उच्च रक्तचाप के 84 तथा अन्य रोगों के मरीजों का परीक्षण किया गया। बुखार से संबंधित 18 मरीजों की मलेरिया एवं 15 मरीजों की डेंगू जांच कराई गई, जिनकी रिपोर्ट निगेटिव पाई गई।

सभी मेला स्थलों पर परिवार नियोजन परामर्श हेतु अलग काउंटर स्थापित किए गए, जहां लोगों को आवश्यक जानकारी एवं सामग्री उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार आशा कार्यकताओं ने संचारी रोगों से बचाव एवं सोर्स रिडक्शन के प्रति लोगों को जागरूक किया। इसके साथ ही एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 127 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया।

मेले में आए 40 मरीजों को टेलीमनोस कंसल्टेंसी की सुविधा भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया गया।

परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में 8 परिवारों का हुआ पुनर्मिलन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति, बहजोई में आयोजित की गई। यह बैठक पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

बैठक के दौरान पति-पत्नी के आपसी विवादों को काउंसलर्स की मदद से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। कुल 79 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिनमें से 22 मामलों का निस्तारण किया गया। विशेष रूप से 8 परिवारों को आपसी सहमति से पुनः मिलाया गया, जो इस पहल की बड़ी सफलता रही।

इसके अलावा 6 पत्रावलियों में विधिक कार्यवाही की संस्तुति की गई, जबकि 8 मामलों को आवेदक द्वारा रुचि न लेने के कारण बंद कर दिया गया।

बैठक में काउंसलर लवमोहन वार्ष्णेय, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत एवं महिला आरक्षी ज्योति सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

हैबतपुर गांव में जागरूकता अभियान के अंतर्गत बाल विवाह के खिलाफ दिलाई शपथ

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में बाल अपराधों के खिलाफ जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी संस्था प्रयत्न द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को हैबतपुर गांव में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों और बच्चों को बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने बाल अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह कराना दंडनीय अपराध है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल विवाह में शामिल होने वाले सभी लोग चाहे वह पंडित हो, नाई, हलवाई, टेंट संचालक या अन्य सेवा प्रदाता सभी को दो साल तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

संस्था द्वारा लोगों से अपील की गई कि यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 या जेआरसी हेल्पलाइन 1800-102-7222 पर सूचना दें। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है, जिसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी को मिलकर आवाज उठानी होगी।

इस अवसर पर टीम के फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद, स्कूली बच्चे एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

9 मई की राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां तेज, अधिकारियों को दिए गए दिशा-निर्देश

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में प्रस्तावित 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक जनपद न्यायाधीश,अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विदुषी सिंह के विश्राम कक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत एवं अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अवधेश कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विदुषी सिंह ने लोक अदालत के माध्यम से वादों के त्वरित, सस्ते और सौहार्दपूर्ण निस्तारण पर जोर देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक उपयुक्त वादों को चिन्हित कर समय से प्रस्तुत किया जाए, ताकि लोक अदालत में अधिकतम मामलों का निस्तारण हो सके। साथ ही आमजन को लोक अदालत के लाभों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी बल दिया गया।

बैठक में प्रभारी सचिव/मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपक कुमार जायसवाल, एएसपी सम्भल कुलदीप सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, एसडीएम चंदौसी नीतू रानी, एसडीएम सम्भल निधि पटेल, तहसीलदार चंदौसी रविन्द्र विक्रम, तहसीलदार गुन्नौर रवि सोनकर, एलडीएम ललित विज राय सहित विभिन्न नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस संबंध में जानकारी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अवधेश कुमार सिंह द्वारा दी गई।

गीता ज्ञान यज्ञ के द्वितीय दिवस पर स्वामी कृष्णानंद का गहन उद्बोधन

संभल(सब का सपना):- जनपद में गीता ज्ञान यज्ञ के सात दिवसीय पावन आयोजन के दूसरे दिन स्वामी कृष्णानंद ने श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय दो तीन एवं चार पर विस्तृत एवं जीवनोपयोगी प्रवचन दिया। शनिवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ में स्वामी जी ने अर्जुन के विषाद से लेकर आज के आधुनिक समाज की मनोस्थिति तक का मार्मिक विश्लेषण प्रस्तुत किया।स्वामी जी ने कहा कुरुक्षेत्र में अर्जुन को जो मोह और विषाद हुआ था वही स्थिति आज समाज के अधिकांश लोगों की हो चुकी है। व्यक्ति स्वयं को सनातनी कहता है, लेकिन सनातन सिद्धांतों का पालन नहीं करता। मन की इच्छाओं के पीछे चलते-चलते वह धर्म-अधर्म, सही-गलत और विवेक की क्षमता खो बैठता है और स्वयं अपने पतन का कारण बन जाता है।स्वामी जी ने गीता के तत्वों को स्पष्ट करते हुए बताया मनुष्य शरीर नहीं आत्मा है। आत्मा न जन्म लेती है, न मरती है। वह केवल शरीर बदलती है।

यह आत्मा परमात्मा का अंश है, इसलिए समस्त जीव एक ही परमात्मा की संतान हैं।

मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य सेवा है, और सेवा का मार्ग कर्मयोग से होकर गुजरता है।निष्काम भाव के बिना कर्मयोगी नहीं बना जा सकता। भोगी व्यक्ति कभी योगी नहीं हो सकता। स्वामी जी ने वर्तमान समाज में फैली विकृतियों पर भी प्रकाश डाला स्वार्थ पूर्ति के लिए पूजा-पाठ या सेवा करने वाले पाखंड के रास्ते पर हैं। केवल अपने परिवार तक सीमित रहकर स्वार्थ में लिप्त रहना पाप है।शारीरिक सुखों में डूबा व्यक्ति आसुरी प्रवृत्ति को अपनाता है।उन्होंने कहा कि स्थिर बुद्धि, एकाग्रता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया गया निष्काम कर्म ही श्रेष्ठ कर्म है। ऐसे व्यक्ति पूरे समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं।कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव में डूबकर भजन-कीर्तन किया। वातावरण भगवान के नाम से गुंजायमान हो उठा। दीपा बाष्णेय और प्रतीक्षा ने गीता ज्ञान भजन प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

स्वामी जी ने अपने संदेश को समाप्त करते हुए।भारतीय ज्ञान को जानो, भारत को मानो और सच्चे भारतीय बनो जीवन का वास्तविक सुख इसी में है। गीता ज्ञान यज्ञ के इस दिव्य आयोजन ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के हृदय में नई ऊर्जा, आध्यात्मिक जागरूकता और जीवन को सही दिशा देने का संकल्प जगाया।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील चंदौसी के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने की।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत लंबित न रखी जाए और प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों पर संबंधित थानाध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी शिकायती पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर संज्ञान में लेकर समयबद्ध कार्रवाई की जाए। इसके पश्चात जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने चंदौसी स्थित कांशीराम आवासीय कॉलोनी का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कॉलोनी में अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से निवास करता पाया जाए तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही कॉलोनी की साफ-सफाई, मरम्मत कार्य एवं सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कॉलोनी में सीसीटीवी कैमरे लगाने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी दीपक तिवारी, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सपा कार्यकताओं की मासिक बैठक आयोजित,संगठन मजबूती पर जोर

वोटर लिस्ट मिलान और 2027 की तैयारियों में जुटने के निर्देश

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में समाजवादी पार्टी की इकाई की मासिक बैठक शनिवार को कैंप कार्यालय बहजोई में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जिसमें संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने पदाधिकारियों, बीएलए, जोन एवं सेक्टर प्रभारियों को निर्देशित किया कि 10 अप्रैल को जारी अंतिम वोटर लिस्ट का अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के बीच मिलान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को पार्टी की नीतियों और 2027 के मेनिफेस्टो की घोषणाओं से अवगत कराएं।

उन्होंने बताया कि मेनिफेस्टो में महिलाओं को एक साल में 40,000 रुपये की सहायता और प्रदेश के प्रत्येक घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की गई है। साथ ही नए वोटर बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया।

जिलाध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो पदाधिकारी और प्रकोष्ठ अध्यक्ष लगातार बैठकों की अनदेखी कर रहे हैं, उन्हें हटाकर नए सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी।

बैठक को संबोधित करते हुए कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करें और अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर वोट बढ़ाने का कार्य करें।

इस दौरान विभिन्न विधानसभा अध्यक्षों और पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखीं, जिनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

बैठक में असमोली विधानसभा अध्यक्ष ताहिर उल्ला खान, चंदौसी विधानसभा अध्यक्ष उमेश कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष शोभित कुमार काका, उमेश गुप्ता, नगर अध्यक्ष सदाम कुरेशी, शारदा यादव, कपिल देव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने फायरिंग व मारपीट के मामले में दो आरोपी किए गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई पुलिस ने शस्त्र अधिनियम से जुड़े एक मामले में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में रजनेश पुत्र जबर सिंह (21) एवं विकास पुत्र देवेन्द्र (20) शामिल हैं, जिन्हें पुलिस टीम ने शनिवार को आनंदपुर चौराहे से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मामले के संबंध में पीड़ित नरेंद्र पुत्र राधेश्याम निवासी ग्राम बहादरपुर सराय उर्फ रायपुर, थाना कैलादेवी, जिला सम्भल ने 27 अप्रैल को तहरीर दी थी। तहरीर के अनुसार, वह 26 अप्रैल को अपनी भांजी सविता के विवाह समारोह में दामा देवी फार्म हाउस, तेली वाला रोड, पुलिस लाइन बहजोई के पास गया था।

इसी दौरान मोटरसाइकिल हटाने को लेकर अभियुक्त विकास से कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के बाद विकास व रजनेश ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर कर दिया, जिससे पीड़ित की जांघ में गोली लग गई। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई।

पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की विधिक प्रक्रिया जारी है।

जमाल शेख का घर बना गौरैया का आशियाना, डीएम ने की प्रशंसा

बिजनौर (सब का सपना):- एक अनोखी पहल ने प्रशासन का ध्यान अपनी ओर खींचा, जहां जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गौरैया संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। आधुनिक समय में तेजी से घटती गौरैया की संख्या के बीच जनपद के स्योहारा कस्बा निवासी जमाल शेख का पुश्तैनी घर इन नन्हे पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय बना हुआ है, जहां बड़ी संख्या में गौरैया चहचहाती नजर आती हैं। समाधान दिवस के दौरान स्योहारा पहुंचीं जिलाधिकारी को जब इस विशेष पहल की जानकारी मिली, तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर पूरे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने देखा कि किस तरह घर के आंगन और छतों पर दाना-पानी की व्यवस्था कर गौरैया को सुरक्षित वातावरण दिया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस पक्षी को कभी हर घर के आंगन में आसानी से देखा जाता था, वह अब दुर्लभ होता जा रहा है, ऐसे में यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। जिलाधिकारी ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं। ऐसे में यदि समाज के लोग आगे आकर इस तरह की पहल करें, तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में बड़ी मदद मिल सकती है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि गर्मी के मौसम में अपने घरों की छतों और आंगनों में पक्षियों के लिए पानी और दाना अवश्य रखें।

इस मौके पर स्थानीय चिकित्सक और समाजसेवी डॉक्टर मनोज कुमार वर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जमाल शेख द्वारा किया जा रहा यह कार्य समाज के लिए एक मिसाल है और इससे लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। कार्यक्रम के दौरान अन्य स्थानीय लोग भी मौजूद रहे और उन्होंने भी इस पहल की सराहना की।

जिलाधिकारी के इस दौरे से क्षेत्र में सकारात्मक संदेश गया है और लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार नवविवाहित को कुचला, मौत

बुआ के घर सिलेंडर देकर लौट रहा था युवक, एक माह पहले ही बंधा था सेहरा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा-धामपुर मार्ग पर शनिवार को एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण हादसे में शेरकोट निवासी एक 28 वर्षीय नवविवाहित युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गया। मृतक की शादी महज एक माह पूर्व हुई थी, जिसकी खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला वीरथला (शेरकोट) निवासी मोहसिन (28) पुत्र जमील, अपने साथी इमरान पुत्र हस्सू पहलवान (निवासी कायस्थान, शेरकोट) के साथ बाइक से स्योहारा आया था। बताया जाता है कि मोहसिन स्योहारा में अपनी बुआ के घर गैस सिलेंडर देकर वापस शेरकोट लौट रहा था। जैसे ही उनकी बाइक धामपुर मार्ग पर स्थित फव्वारे से थोड़ा आगे पहुँची, पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोहसिन बाइक से गिर गया और ट्रैक्टर का भारी पहिया उसके पेट के ऊपर से गुजर गया। गंभीर चोटों के कारण मोहसिन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, बाइक पर पीछे बैठे इमरान को मामूली चोटें आईं और वह सुरक्षित बच गया। मृतक मोहसिन की शादी अभी एक माह पूर्व ही नगीना में हुई थी। घर में अभी शादी की खुशियों का माहौल था और हाथों की मेहंदी का रंग भी नहीं उतरा था कि इस वज्रपात ने परिवार की खुशियाँ छीन लीं। जवान बेटे की मौत की खबर शेरकोट पहुँचते ही पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि दुर्घटना करने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वायरल वीडियो में दरोगा ने 12 सेकेंड में युवक को जड़े 6 थप्पड़

वीडियो वायरल होने के बाद नगीना CO को सौंपी गई जांच

मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस का 'अमानवीय' चेहरा चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। वीडियो में एक दरोगा एक युवक को बुरी तरह धमकाते हुए महज 12 सेकेंड के भीतर एक के बाद एक 6 थप्पड़ जड़ता नजर आ रहा है। वायरल वीडियो जनपद के थाना मंडावली क्षेत्र की भागुवाला चौकी का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दरोगा, जिसकी पहचान संजय कुमार यादव के रूप में हुई है, एक युवक के साथ अभद्रता कर रहे हैं। युवक हाथ जोड़कर अपनी बात कहने की कोशिश कर रहा है, लेकिन दरोगा का गुस्सा सातवें आसमान पर है और वह बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के सरेआम युवक की पिटाई कर रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में दरोगा की कड़क आवाज और युवक की बेबसी साफ झलक रही है। वीडियो जैसे ही उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आया, बिजनौर पुलिस ने तत्काल इस पर प्रतिक्रिया दी। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जिम्मेदारी क्षेत्राधिकारी (उड) नगीना को सौंपी गई है। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्दी की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाले किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जांच रिपोर्ट आने के बाद दरोगा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर 'बिजनौर पुलिस' को टैग करते हुए तेजी से शेयर किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि पुलिस का काम सुरक्षा करना है, न कि इस तरह से मारपीट करना। ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात पुलिसकर्मियों के व्यवहार को लेकर अक्सर ऐसी शिकायतें आती रहती हैं, लेकिन वीडियो साक्ष्य सामने आने के बाद अब प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है।

इस घटना ने उत्तर प्रदेश पुलिस की 'मित्र पुलिस' वाली छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर उस युवक का अपराध क्या था? क्या पुलिस को किसी को भी सरेआम पीटने का कानूनी अधिकार है? क्या क्षेत्राधिकारी नगीना की जांच में दरोगा को सस्पेंड किया जाएगा? ये सवाल अब बिजनौर की गलियों में गूँज रहे हैं।

सख्त सुरक्षा में संपन्न हुई परीक्षा, दोपहर 2 से 5 बजे तक चली परीक्षा

बिजनौर (सब का सपना):- रविवार को आयोजित नीट यूजी परीक्षा जिले में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। 12 परीक्षा केंद्रों पर कुल 5624 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक एक पाली में परीक्षा आयोजित की गई, जिसके लिए प्रशासन ने पहले से ही व्यापक तैयारियां कर रखी थीं।

परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी रखी गई। साथ ही 12 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी, जो पूरे समय व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे। सुरक्षा के लिहाज से हर केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा।

परीक्षार्थी सुबह 11 बजे से ही केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। निर्धारित समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली गई और इसके बाद केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए।

प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

परीक्षा के लिए जिले में राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, हिंदू इंटर कॉलेज किरतपुर समेत कुल 12 केंद्र बनाए गए थे। अधिकारियों के अनुसार परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई और कहीं से किसी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली।

हसुपुरा गांव में पांडवों ने चार माह काटा था अज्ञातवास

एक कुटिया व माता कुंती का मठ आज भी मौजूद

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नूरपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव हसुपुरा में महाभारत काल में पांडवो ने माता कुंती व द्रौपदी के साथ चार माह का अज्ञातवास किया था। नूरपुर ब्लॉक क्षेत्र से लगभग तीन किलोमीटर धरोहर के रूप में पांडवों की कुटिया में से माता कुंती का पूजा मठ आज भी मौजूद है। बिजनौर जिले के नूरपुर ब्लॉक क्षेत्र से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित गांव हसुपुरा में मठ और कुटिया है। गांव के बुजुर्ग 75 वर्षीय कृपाल सिंह भोला बताते हैं कि करीब 5200 साल पहले पांडव अपनी माता कुंती व अपनी पत्नी द्रोपदी के साथ अज्ञातवास पर निकल गए थे। उन्होंने बताया कि पांडवों ने चार माह का अज्ञातवास ग्राम हसुपुरा में बिताया था।

यहां पर बनी एक कुटिया व माता कुंती का मठ आज भी मौजूद है, लेकिन इसके संरक्षण के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। ग्रामीण बताते हैं कि अज्ञात वास के समय पांडवों से मिलने महात्मा विदुर अपने शिष्य जयपाल के साथ यहां आए थे। गुप्त मुलाकात के बाद महात्मा विदुर तो वापस चले गए लेकिन उनके शिष्य जयपाल सिंह यहां से 2 किलोमीटर दूर घने जंगलों में जाकर बस गए थे। वह मंदिर आज भी जयपाल देवता के नाम से प्रसिद्ध है।मंदिर पर हर वर्ष विशाल भंडारे का का आयोजन किया जाता है।

मंदिर पर दूर दराज से लोग आते हैं। अब वह स्थल भव्य रूप से बना हुआ है।

राष्ट्रगान का अपमान करने वाले पुलिसकर्मी पर गिरी गाज

एसपी ने मंजीत खोकर को किया सस्पेंड, नेहरू स्टेडियम में, जन-गण-मन' के दौरान दौड़ लगाने का वीडियो हुआ था वायरल

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय गौरव और अनुशासन के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह वर्दी में ही क्यों न हो। बिजनौर के नेहरू स्टेडियम में राष्ट्रगान के दौरान दौड़ लगाकर मयार्दा भंग करने वाले सिपाही मंजीत खोकर को पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज में पुष्टि होने के बाद यह सख्त कदम उठाया गया है।

बीते शनिवार सुबह करीब 6 बजे, नेहरू स्टेडियम में जब राष्ट्रगान की धुन गूँज रही थी और वहां मौजूद खिलाड़ी व नागरिक सावधान की मुद्रा में खड़े थे, तब कोतवाली शहर के हल्का नंबर-4 में तैनात सिपाही मंजीत खोकर ग्राउंड में दौड़ लगाता हुआ नजर आया था। लोगों द्वारा बार-बार आवाज देने और टोकने के बावजूद उसने राष्ट्रगान का सम्मान नहीं किया और अपनी दौड़ जारी रखी। यह पूरी घटना स्टेडियम के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जनता में भारी रोष व्याप्त था। सोशल मीडिया ने इस मामले को प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए थे। अधिवक्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर Prevention of Insults to National Honour Act, 1971 के तहत कार्रवाई की मांग की थी। जनता का मुख्य सवाल यही था कि क्या वर्दी के नाम पर राष्ट्रगान के अपमान की छूट दी जा सकती है? मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी (CO) नगीना को जांच सौंपी थी। जांच रिपोर्ट और सीसीटीवी साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि सिपाही मंजीत खोकर ने जानबूझकर अनुशासनहीनता की और राष्ट्रीय गान की गरिमा को ठेस पहुँचाई। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए एसपी ने आरोपी सिपाही को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

पुलिस विभाग द्वारा की गई इस त्वरित कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि कानून सबके लिए बराबर है। वर्दी पहनने वालों से अनुशासन की अपेक्षा आम नागरिकों से कहीं अधिक की जाती है। इस निलंबन के बाद स्टेडियम में अभ्यास करने वाले युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान हर भारतीय का संवैधानिक कर्तव्य है। बिजनौर पुलिस द्वारा की गई यह कार्रवाई अनुशासन बनाए रखने की दिशा में एक नजीर साबित होगी।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, पुलिस ने की जांच शुरू

बिजनौर (सब का सपना):- शिवाला कलां थाना क्षेत्र के गांव सरकथल में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मृतक की पहचान 20 वर्षीय अजय सैनी निवासी सरकथल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गांव के बाहर फीना धनौरा रोड स्थित जंगल में लोगों ने पेड़ से शव लटका देखा, जिसके बाद ग्राम प्रधान ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी लखपत सिंह ने पुलिस टीम के साथ शव को नीचे उतरवाया और आवश्यक कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार अजय अपनी मां और छोटे भाई के साथ गांव में रहता था और कक्षा आठ तक पढ़ा था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि वह नशे का आदी था, हालांकि घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

घटना के बाद गांव में चर्चा और चिंता का माहौल बना हुआ है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

पुलिसिया भ्रष्टाचार के विरुद्ध पाशा का बिगुल, थानों में सुनवाई न होने पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और शोषित वर्ग की आवाज उठाने वाले चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता एम.आर. पाशा ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रहार करते हुए भ्रष्टाचार के विरुद्ध आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनपद के थानों और पुलिस चौकियों में भ्रष्टाचार इस कदर जड़ें जमा चुका है कि बिना रिश्वत के आम आदमी और गरीब फरियादी की कोई सुनवाई नहीं होती। पाशा ने पुलिस अधिकारियों से लेकर सिपाहियों तक की संपत्तियों की उच्चस्तरीय जाँच कराने की मांग उठाई है।

एम.आर. पाशा ने पुलिस के दोहरे चरित्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो पुलिस दिन के उजाले में हेलमेट न लगाने पर गरीब दुपहिया वाहन चालकों का चालान काटने में फुर्ती दिखाती है, वही पुलिस रात के अंधेरे में अवैध खनन के ओवरलोड वाहनों को 'सम्मान' के साथ रास्ता देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि रात भर सड़कों पर मौत बनकर दौड़ते अवैध खनन के वाहनों को सीज करने के बजाय पुलिस उन्हें संरक्षण प्रदान कर रही है, जिससे राजस्व की हानि के साथ-साथ आम जनजीवन भी खतरे में है।

पाशा ने तीखे शब्दों में कहा कि पुलिस चौकियों और थानों में फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता। विशेषकर विकलांगों और गरीबों की रिपोर्ट दर्ज करने में हीला-हवाली की जाती है और यदि रिपोर्ट दर्ज हो भी जाए, तो आरोपी के रसूख के आगे पुलिस मौन हो जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस अब न्याय देने के बजाय 'अपने हिसाब' से रिपोर्ट तैयार करने का माध्यम बन गई है।

भ्रष्टाचार के आरोपों को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा कि आज छोटे से छोटे सिपाही से लेकर अधिकारियों तक के पास लग्जरी वाहन और महंगी संपत्तियां हैं। यह संपत्ति कहाँ से आई, इसकी पारदर्शिता के लिए जाँच होना अनिवार्य है। उन्होंने वर्षों से एक ही थाने में जमे पुलिसकर्मियों के 'सिंडिकेट' को तोड़ने के लिए उनके तत्काल स्थानांतरण की मांग की।

वर्तमान सरकार में पुलिस के बेलगाम होने का दावा करते हुए एम.आर. पाशा ने चेतावनी दी कि यदि थानों और चौकियों में भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगा और पीड़ित जनता को सम्मान व न्याय नहीं मिला, तो उनका संगठन सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि जनता अब इस उत्पीड़न के खिलाफ लामबंद हो चुकी है और किसी भी समय सड़कों पर उतरने के लिए तैयार है।

पुलिस विभाग पर लगे ये आरोप गंभीर हैं और सीधे तौर पर जिला प्रशासन की साख को चुनौती देते हैं। अब देखना यह है कि क्या उच्चाधिकारी इन शिकायतों का संज्ञान लेंगे या पाशा का आंदोलन ही व्यवस्था में बदलाव लाएगा।

चलते ट्रैक्टर से गिरकर 45 वर्षीय युवक की मौत सफर

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना-नजीबाबाद रोड पर रविवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर से गिरकर 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान हरीश पुत्र हरिराम निवासी गांव बनवारी, थाना नजीबाबाद के रूप में हुई है। हादसा उस समय हुआ जब वह लगन रिश्ते से वापस अपने घर लौट रहे थे।

जानकारी के अनुसार हरीश नगीना से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर गांव लौट रहे थे। ट्रॉली में उनके साथ 10 से 15 अन्य लोग भी बैठे हुए थे। रास्ते में अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण वह ट्रैक्टर से गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद परिजन उन्हें तुरंत घर ले गए, जहां कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

परिजनों के अनुसार हरीश मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में तीन बेटियां और एक बेटा है। अचानक हुई इस घटना से परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में आ गया है।

महामंडलेश्वर डॉ. सुरेंद्रानंद गिरी ने वाल्मीकि बेटियों को विवाह में पहुंचकर दिया आशीर्वाद

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- रामघाट में महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. सुरेंद्रानंद गिरी ने गौतम वाल्मीकि की बेटियों के विवाह समारोह में पहुंचकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने इस अवसर पर बेटियों को गृहस्थी का सामान भी भेंट किया।

प्रदान की गई सामग्री में दो बेड, दो गद्दे, दो टेबल, आठ कुर्सियां, दो पंखे, दो प्रेस, दो कुकर, चार तकिए, दो साड़ियां, दो थाल और एक क्विंटल गेहूं शामिल थे। इस सहयोग से वाल्मीकि समाज में खुशी का माहौल देखा गया।

समाज के लोगों ने महामंडलेश्वर की सराहना की और फूलमाला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। महामंडलेश्वर डॉ. सुरेंद्रानंद गिरी ने इस दौरान वाल्मीकि समाज को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वयं को अभागा न समझें, क्योंकि उनके लिए सभी समाज और रामघाट के लोग अपने हैं। उन्होंने हमेशा मदद

करने का आश्वासन दिया।

महामंडलेश्वर डॉ. सुरेंद्रानंद गिरी क्षेत्र में ऐसे परोपकारी कार्य नियमित रूप से करते रहते हैं। इस अवसर पर उनके साथ पंडित श्याम शर्मा, वरुण शर्मा, दीपक गोस्वामी, कन्हैया वाल्मीकि, नरेश वाल्मीकि, सूरज वाल्मीकि सहित समस्त वाल्मीकि समाज के लोग मौजूद रहे।

गीता ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कर्मयोग और ज्ञान का मिला संदेश

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में गीता ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस पर श्रद्धालु भक्तों ने गीता के दिव्य ज्ञान का लाभ उठाया। रविवार को कार्यक्रम में उपस्थित भक्तों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष दीपा बाष्णेय का आभार व्यक्त किया और स्वयं को इस पुण्य कार्य का सहभागी बनने पर सौभाग्यशाली बताया।

गीता व्यास स्वामी कृष्णानंद ने गीता के अध्याय 5, 6 एवं 7 का सरल, सारगर्भित और जीवनोपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव जीवन का मूल उद्देश्य कर्मयोग है। व्यक्ति जन्म से मृत्यु तक कर्म करने के लिए बाध्य है, इसलिए प्रत्येक मनुष्य को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए सत्कर्मों में निरंतर लगे रहना चाहिए।स्वामी जी ने कहा कि कर्म को सही दिशा देने के लिए मन का संयम आवश्यक है। संयमित मन ही व्यक्ति को सही और गलत का निर्णय करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्चा ज्ञान तत्वज्ञानी गुरु के सान्निध्य में ही प्राप्त होता है और श्रद्धा, सेवा भाव व जिज्ञासा से ज्ञान के द्वार खुलते हैं।

ज्ञान की महत्ता बताते हुए स्वामी जी ने कहा कि संसार में ज्ञान से बढ़कर कुछ नहीं है। सच्चा ज्ञान बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतःकरण में निहित होता है, जिसे अध्यात्म के मार्ग पर चलकर ही अनुभव किया जा सकता है।

अंत में उन्होंने अनुशासन और संतुलन को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए समय का सदुपयोग, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या अपनाने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम का समापन भजन-कीर्तन एवं आरती के साथ हुआ। श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर संकीर्तन करते नजर आए और पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। उपस्थित जनों ने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया।

पानीपत में पार्टी से आने के बाद युवक ने फंदा लगा दी जान, मानसिक रूप से चल रहा था परेशान

पानीपत। गांव बड़ौली में शनिवार को 21 वर्षीय विशाल का शव खेत में बने ट्यूबवेल के कोठे में लटका मिला है। युवक दोस्त के पिता की रिटायरमेंट पार्टी से लौटा था और खेत में चला गया था। पुलिस ने स्वजन के बयान पर इत्तफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन के हवाले कर दिया। विशाल शुक्रवार दोपहर बाद अपने एक दोस्त के पिता की रिटायरमेंट पार्टी में गया था। वह पार्टी से घर लौटा और उसके बाद खेत की तरफ चला गया। किसी को अंदाजा नहीं था कि वह घर से आखिरी बार निकल रहा है। स्वजन खेत में गए तो शव खेत में बने ट्यूबवेल के कमरे के अंदर लोहे के गाटर पर लोहे के तार से बने फंदे पर लटका मिला। इस संबंध में सदर थाना प्रभारी गुलशन कुमार का कहना है कि विशाल के पिता ने बयान दर्ज करवाए हैं कि उनका बेटा काफी समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। जिस कारण खेत में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक के पिता के बयान पर इत्तफाकिया कार्रवाई की है।

गुरप्रीत सिंह हत्याकांड में अनिल विज ने लगाया एसपी को फोन, आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के दिए आदेश

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बीती रात टुंडला के निकट गोली लगने से युवक गुरप्रीत सिंह की मौत के मामले में आरोपितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर मामले

में कड़ी कार्रवाई के निर्देश अंबाला एसपी को दिए। विज ने सुबह छावनी सिविल अस्पताल में पहुंचकर मृतक के स्वजनों को इस मामले में हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। विज ने मौके पर ही एसपी को फोन मिलाते हुए मामले में संलिप्त आरोपितों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि रात्रि गौ तस्कर थे जोकि गोवंशों को लेकर जा रहे थे और जैसे ही पुलिस को पता लगा तो हमारी पुलिस की दो जिप्सियां पीछे लगी। आरोपितों ने गोलियां चलाई जोकि उनके हलके के गांव गरनाला निवासी युवक गुरप्रीत सिंह को लगी। पोस्टमार्टम में पता चलेगा कि गोली किसकी लगी। उन्होंने इस मामले में अंबाला एसपी को सख्त निर्देश दिए हैं कि जल्द आरोपितों को पकड़ा जाए।

अंबाला में तेज रफ्तार डंपर ने पैदल जा रहे बुजुर्ग को कुचलकर उतारा मौत के घाट, ड्राइवर फरार

साहा। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गगनदीप निवासी वेदांत नगर (अमर पार्क) साहा ने बताया कि वह सीसीटीवी कैमरे का काम करता है। शनिवार को अपने पिता तारा चंद के साथ सुबह करीब 7 बजकर 40 मिनट पर घर से दुकान के लिए पैदल निकले थे। करीब 70 मीटर दूरी पर पहुंचे ही थे कि साहा की ओर से बजरी से भरा एक डंपर तेज रफ्तार और लापरवाही से आया। आरोप है कि डंपर चालक ने सीधे तारा चंद को टक्कर मारी और वाहन उनके ऊपर से निकाल दिया।हादसे के बाद डंपर कुछ दूरी पर जाकर रुका, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। बाद में गगनदीप अपने पिता को निजी वाहन से नागरिक अस्पताल अंबाला कैंट लेकर पहुंचा, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार डंपर का नंबर एचआर 37एफ-1614 है। मामले में अज्ञात आरोपित चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। दोपहर के समय पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजनों के सुपुर्द कर दिया गया था।

रोहतक में बाबा साहेब आंबेडकर प्रतिमा अनावरण के दौरान हंगामा, पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया

कलानौर (रोहतक)। गांव खैरड़ी में शुक्रवार को बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण हंगामेदार माहौल के बीच किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। गांव के कुछ लोग प्रतिमा का अनावरण करने के लिए मौके पर पहुंचे, तो उन्हें वहां मौजूद महिलाओं के विरोध का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए महिला पुलिस कर्मियों ने विरोध कर रही महिलाओं को बस में बिठाकर कलानौर थाने ले गई और वहां जाकर उन्हें छोड़ दिया गया।शुक्रवार को प्रशासन की मौजूदगी में प्रतिमा का अनावरण किया गया, लेकिन इस दौरान माहौल तनावपूर्ण बना रहा। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में भी लिया है। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर पूरे कार्यक्रम की निगरानी की और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।बता दें कि आठ अप्रैल की रात को अज्ञात असामाजिक तत्वों ने बाबा साहेब आम्बेडकर की प्रतिमा को खंडित कर दिया था, जिसके बाद से गांव में लगातार तनाव का माहौल बना हुआ था। इस घटना के विरोध में रविदास समाज के लोग सद्भावना स्थल पर धरने पर बैठे हुए थे और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। हालांकि प्रशासन ने खंडित प्रतिमा के स्थान पर पहले ही नई प्रतिमा स्थापित कर दी थी, लेकिन समाज के लोग असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी होने तक प्रतिमा के अनावरण न करने की मांग पर अड़े हुए थे।

करनाल में खेलों का 'महाकुंभ', नर्सरियों की संख्या बढ़कर हुई 104, 2600 उभरते खिलाड़ी मैदान में बहा रहे पसीना

करनाल। इस बार जिले में खेल नर्सरियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इससे खेल प्रतिभाओं को निखारने का पूरा मौका मिलेगा। पिछले साल जहां जिले में 86 नर्सरियों में 2150 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे थे, वहीं इस बार 104 नर्सरियों में करीब 2600 खिलाड़ी अभ्यास करेंगे। अभ्यास प्रक्रिया शुरू हो गई है। आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष 53 सरकारी और 30 निजी नर्सरियां जिले में चल रही थीं, जबकि इस बार निजी नर्सरियों की संख्या बढ़कर 74 हो गई है और सरकारी नर्सरियां 30 ही हैं। इस प्रकार कुल 28 नर्सरियों की वृद्धि हुई है, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं। प्रत्येक नर्सरी में एक कोच की नियुक्ति की गई है। जिनमें निजी नर्सरियों के कोच को प्रति माह 25 हजार रुपये वेतन दिया जाता है, जबकि खिलाड़ियों को 1500 से 2 हजार रुपये प्रतिमाह डाइट भत्ता प्रदान

किया जाता है। यह राशि खिलाड़ियों व कोचों के खाते में डायरेक्ट आती है।इससे खेल नर्सरियों की बढ़ती संख्या से अधिक से अधिक युवा खेलों की ओर आकर्षित होंगे और भविष्य में जिले का नाम राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। इस साल का सत्र भी शुरू हो गया है और खिलाड़ी निरंतर अभ्यास के लिए आ रहे है। जून-जुलाई महीने में आयोजित होने वाली जिला व प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयारी शुरू कर दी है। सभी कोच निरंतर खिलाड़ियों का प्रशिक्षण दे रहे है। पिछले साल के मुकाबले बढ़ी नर्सरियों की संख्या जिला खेल अधिकारी सत्यवीर पोसवाल ने बताया कि हमें पिछले साल के मुकाबले अधिक नर्सरियां मिली हैं। सभी खेल नर्सरियों को शुरू कर दिया गया है, ताकि खिलाड़ी निरंतर अभ्यास कर सके। पिछले साल जिले को 86 नर्सरियों मिली थी।

रोहतक में चलती ट्रक में लगी भीषण आग, एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू; लाखों का सामान जलकर राख

रोहतक। झज्जर रोड पर गांव मायना के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई जब चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। घटना में ट्रक और उसमें रखा सामान जलकर राख हो गया। हालांकि, समय रहते दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। पुलिस के अनुसार, ट्रक चालक राजू झज्जर से रोहतक की ओर आ रहा था। ट्रक में प्लास्टिक का दाना भरा हुआ था। सुबह करीब 11 बजे जब वह गांव मायना के पास पहुंचा तो ट्रक से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग लग गई।चालक ने स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया और कुछ समय के लिए आग पर काबू भी

पा लिया, लेकिन करीब 12:30 बजे ट्रक में दोबारा आग भड़क उठी, जो इस बार तेजी से फैलकर विकराल रूप ले गई।आग प्लास्टिक के दानों तक पहुंच गई, जिससे उसे नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। इसके बाद तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन ट्रक और उसमें रखा लाखों रुपये का सामान पूरी तरह जल गया। शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है।

हरियाणा में आज से बदलेगा मौसम, आठ जिलों में होगी बारिश; मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

हिसार। मौसम में शनिवार रात से बदलाव हो सकता है। विज्ञानियों ने नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने और प्रदेश में वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को प्रदेश के आठ जिलों में वर्षा होने के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। वहीं शनिवार को धूप खिलने और लू चलने के कारण हिसार का तापमान 41.1 डिग्री तक पहुंच गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इससे प्रदेश में पांच मई तक लगातार वर्षा हो सकती है।चार और पांच मई को वर्षा का आरेंज और यलो अलर्ट भी पूरे प्रदेश में जारी किया गया है। वर्षा से आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। वहीं शनिवार को भी दिन में तेज धूप निकली।जिलों में हुई वर्षा से तापमान

35 डिग्री के आस पास चल रहा था जिसमें उछाल होने से वह दोबारा 40 या उससे पार पहुंच गए है। रात के तापमान में भी उछाल हुआ है। मौसम विज्ञानियों ने अब तीन दिन तक लगातार वर्षा की चेतावनी जारी की है। यलो अलर्ट : पंचकूला, यमुनानगर, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात, पलवल

अंबाला में शादी में गया था पूरा परिवार, घर लौटे तो उड़ गए होश; सुनते ही दौड़ पड़ी पुलिस भी

बराड़ा। गांव उगाला में बंद घर को निशाना बनाकर आरोपितों ने नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता सचिन शर्मा निवासी सुनारों वाला मोहल्ला, गांव उगाला ने बताया कि वह गांव के अड्डे पर पैथ लैब चलाते हैं। 29 अप्रैल को वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने के लिए गांव किशनपुरा (जिला यमुनानगर) गए थे। घर पर कोई नहीं था और सभी कमरों में ताले लगाए गए थे। एक मई की शाम जब वह वापस घर पहुंचे और ताले खोलकर अंदर गए तो देखा कि कमरे की अलमारी खुली पड़ी थी। जांच करने पर पता चला कि अलमारी से करीब एक लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात चोरी हो चुके हैं। चोरी हुए सामान में दो जोड़ी सोने की बालियां, एक सोने का टीका, एक सोने की नथ, छह सोने के कोके, दो जोड़ी चांदी की पाजेब और चार जोड़ी चांदी की चुटकियां शामिल हैं। शिकायतकर्ता ने अपने स्तर पर आरोपितों का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। इस पर शनिवार को बराड़ा थाने में केस दर्ज किया गया।

फरीदाबादः सीवर की सफाई के दौरान दम घुटने से 2 कर्मियों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

फरीदाबाद। फरीदाबाद में पुरी प्राणायाम सोसाइटी के सामने सीवर की सफाई के दौरान दम घुटने से दो सफाई कर्मियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खेड़ी कला गांव निवासी राजेंद्र और सुनील के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 45 से 50 वर्ष के बीच बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। तलाश में जुटे थे परिजन जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम करीब 6 बजे दोनों सफाई कर्मी सीवर की सफाई करने के लिए मैनहोल में उतरे थे। इसके बाद वह बाहर नहीं आए। देर रात तक दोनों के घर नहीं पहुंचने पर परिजन परेशान हो गए और उनकी तलाश शुरू की। परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई वहीं, रविवार सुबह परिवार के लोग पुरी प्राणायाम सोसाइटी के पास पहुंचे। वहां मैनहोल के पास दोनों की साइकिल और मोटरसाइकिल खड़ी मिली। इस पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने मैनहोल के अंदर झांककर देखा तो दोनों अंदर बेसुध पड़े दिखाई दिए। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सीवर से बाहर निकलवाया। जांच में दोनों को मृत पाया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। प्रारंभिक जांच में सीवर के अंदर जहरीली गैस से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिसार शिक्षिका सोनिया आनंद हत्याकांडः पोस्टमार्टम में गला दबाने से मौत की पुष्टि; परिवार ने अस्पताल के बाहर किया हंगामा

हिसार। शहर के सेक्टर-13 में शिक्षिका सोनिया आनंद की गला दबाने से मौत हुई है। उस पर प्रेस या अन्य किसी तेजधार हथियार से भी वार किए गए हैं। शिक्षिका सोनिया का अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में तीन डॉक्टरों के बोर्ड ने पोस्टमार्टम किया तो मौत के कारणों का राजफाश हुआ। शिक्षिका के सिर पर तीन गहरे वार, एक चेहरा (ठुड्डी) पर और छाती पर गहरी चोट के निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम से पहले शनिवार सुबह परिवार ने हत्या मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नागरिक अस्पताल में हंगामा कर दिया था। उन्होंने पुलिस प्रशासन को स्पष्ट कहा कि जब तक आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होती वे शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। इस दौरान मृतका की बहन चक्कर आने से जमीन पर गिर गई।पुलिस जब शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अग्रोहा ले जाने लगी तो उस समय भी स्वजन ने विरोध किया। पुलिस ने काफी देर तक उन्हें समझाया फिर पोस्टमार्टम के लिए लेकर गए और पोस्टमार्टम करवाया। वहां पर पुलिस ने मृतका के स्वजन को आश्वासन दिया कि पति, जेठ, जेठानी और सास के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। पूछताछ के लिए जेठ नितिन, जेठानी वंदना और सास शकुंतला से पूछताछ की जा रही है। पति की तलाश के लिए तीन टीमें गठित

आरोपित पति सौरभ की तलाश के लिए पुलिस की तीन टीमें बनाई गई है। पुलिस से मिले आश्वासन के बाद स्वजन ने शव उठाया। दोपहर बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। स्वजनों ने बताया कि मृतका के सिर पर चोट के तीन निशान मिले हैं। इसके अलावा सीने पर भी घाव है। वहीं, हरियाणा राज्य महिला आयोग की तरफ से एसपी को मेल कर शिक्षिका हत्याकांड में तीन दिन के कार्रवाई की रिपोर्ट देने की बात कही है। पुलिस ने अभी तक नहीं खंगाले सीसीटीवी नागरिक अस्पताल में शनिवार सुबह मृतका के स्वजन पहुंचे। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। स्वजन का आरोप है कि पुलिस ने अभी तक घर के आसपास लगे न सीसीटीवी खंगाले और न ही अभी तक आरोपित सौरभ को गिरफ्तार किया है। आरोपित सौरभ खुलेआम घूम रहा है। उन्होंने बताया कि सोनिया आनंद का पति और ससुरालवाले दहेज की खातिर उसे प्रताड़ित करते थे। तीन माह पहले भी सौरभ ने सोनिया को गला दबा कर मारने का प्रयास किया था। उस समय पुलिस में शिकायत भी दी थी। स्वजन ने आरोप लगाए कि पुलिस आरोपितों के साथ मिली हुई है। उनसे पूछताछ करने की बजाय उनकी फोन पर किसी से बात करवाई जा रही है।

दोपहर करीब 12 बजे सिविल लाइन थाना पुलिस नागरिक अस्पताल के शवगृह के पास एंबुलेंस लेकर पहुंची। पुलिस कर्मचारियों ने डी फ्रीज के अंदर रखे सोनिया के शव को निकालने लगे तो स्वजन ने उसका विरोध किया। उनका कहना था कि जब तक आरोपित गिरफ्तार नहीं होते उस समय तक शव नहीं उठाने देंगे। फिर ने काफी देर तक उन्हें समझाया फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अग्रोहा लेकर गए। इसी दौरान मृतका की बहन शालू शव गृह के सामने चक्कर खाकर गिर गई।

दिल्ली हाई कोर्ट का अहम फैसला: सह-दोषी के फरलो पर रहते दूसरे को रिहाई पर रोक नहीं

नई दिल्ली। एक ही मामले में एक सजायाफ्ता कैदी के फरलो पर बाहर रहने के दौरान दूसरे कैदी को फरलो पर रिहा न करने के मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम आदेश पारित किया है। बेटी के 11वीं कक्षा में दाखिले के लिए याचिकाकर्ता कैदी को राहत देते हुए न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने स्पष्ट किया कि दिल्ली जेल नियम-2018 के नियम 1224 के साथ संलग्न नोट-एक के अनुसार, सह-दोषी को एक ही समय पर फरलो देना सामान्यतः अनुमति योग्य नहीं है।

पीठ ने कहा कि उक्त तथ्यों को देखने से प्रतीत होता है कि दूसरे कैदी के पहले से ही फरलो का लाभ उठाने के दौरान किसी अन्य सह-कैदी को फरलो पर रिहा करने पर कोई पूर्ण प्रतिबंध या रोक नहीं है।

पीठ ने कहा कि उक्त तथ्यों को देखते हुए कैदी को बेटी के 11वीं कक्षा में दाखिले के लिए दो सप्ताह के लिए फरलो पर रिहा करने का आदेश दिया है। पीठ ने कहा कि फरलो देना अच्छे आचरण का प्रोत्साहन है और अपीलकर्ता के बच्चे के दाखिले में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। दोषी अपीलकर्ता ने चार सप्ताह की फरलो की मांग की थी।18 मार्च 2026 को दे दी गई थी फरलो याचिकाकर्ता कैदी ने कहा कि उसे दो सप्ताह के लिए सक्षम प्राधिकारियों द्वारा 18 मार्च 2026 को फरलो दे दी गई थी, लेकिन एक अन्य सह-दोषी के पहले से ही फरलो पर बाहर होने के कारण अब तक उसे रिहा नहीं किया गया है। उसने कहा कि सह-दोषी को 11 मई को आत्मसमर्पण करना है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उसे अपनी बेटी का 11वीं कक्षा में दाखिला सुनिश्चित करने के लिए फरलो पर रिहा करने की अनुमति दी जाए।याची ने कहा कि उसकी बेटी अभी उत्तम नगर स्थित न्यू होली पब्लिक स्कूल में पढ़ती है और उसका दाखिला विकास पुरी स्थित कमल पब्लिक स्कूल में कराने की इच्छा है। उसने यह भी कहा कि सह-दोषी की पत्नी की तबियत ठीक नहीं है, ऐसे में उम्मीद है कि वह अपनी फरलो बढ़ाने की मांग कर सकता है। उक्त तथ्यों को देखते हुए अदालत ने दोषी याचिकाकर्ता को दो सप्ताह के लिए फरलो पर रिहा करने का आदेश दिया और याचिका का निपटारा कर दिया।

जबलपुर क्रूज हादसा: मौत भी न जुदा कर सकी ममता की डोर, एक ही कब्र में मां और बेटा

पश्चिमी दिल्ली। जबलपुर स्थित बरगी बांध में मारे गए मसीह परिवार की तीन पढ़ीयों से ताल्लुक रखने वाले तीन सदस्यों मधुर मसीह, उनकी बेटी मैरिना और चार वर्षीय नाती त्रिशान के शव शनिवार को जब एम्बुलेंस से मायापुरी स्थित खजान बस्ती की तंग गलियों में पहुंचे, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें भी छलक उठीं।

इस हादसे की सबसे मर्मस्पर्शी और रूह कंपाने वाली तस्वीर वह थी, जिसमें डूबते वक्त भी मां मैरिना ने अपने चार साल के बेटे त्रिशान को अपनी छाती से कसकर चिपका रखा था।लहरों के थपेड़े और मौत का खौफ भी ममता की उस पकड़ को कमजोर नहीं कर सका। इस दृश्य ने वहां मौजूद हर शख्स का कलेजा चीर दिया। अंत में परिवार ने तय किया कि जिस ममता ने मौत के समय साथ नहीं छोड़ा, उसे विदाई भी साथ दी जाए।

द्वारका स्थित ईसाई कब्रिस्तान में मां और बेटे को एक ही कब्र में दफनाया गया, ताकि अनंत यात्रा में भी बेटा अपनी मां की गोद में सुरक्षित रहे।

हादसे में जीवित बचे परिवार के मुखिया जूलियस मसीह, दामाद प्रदीप और मासूम प्रदीप की बेटी सिया की स्थिति शब्दहीन है। अपनी आंखों के सामने अपनों को डूबते देखने का सदमा इतना गहरा है कि वे किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं।जब लोगों ने उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की, तो उन्होंने हाथ जोड़कर सिर्फ इतना कहा हमें शोक मनाने दीजिए। बाद में बात करेंगे।गहरा शोक और अंतिम प्रार्थना

द्वारका स्थित इसाई कब्रिस्तान में पादरी द्वारा की गई प्रार्थना और धार्मिक रीति-रिवाजों के बीच जब परिजनों ने कांपते हाथों से ताबूतों पर मिट्टी डाली, तो पूरा कब्रिस्तान सिसकियों से गूंज उठा। हर जुबान पर बस एक ही दुआ थी कि ईश्वर ऐसा वज्रपात किसी दुश्मन पर भी न करे।

दिल्ली: द्वारका गोल्फ कोर्स में 3 बच्चों की मौत, लापरवाही का असली जिम्मेदार कौन? तीन दिन बाद भी अनसुलझा सवाल

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के द्वारका सेक्टर-23 स्थित गोल्फ कोर्स के तालाब में डूबकर तीन बच्चों की मौत के मामले में तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस और प्रशासन यह तय नहीं कर पाए हैं कि इस लापरवाही का असली जिम्मेदार कौन है। मासूमों की मौत ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनका जवाब देने से फिलहाल संबंधित विभाग बचते नजर आ रहे हैं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि फिलहाल बीएनएस की धारा 194 के तहत मामले की जांच की जा रही है। इन्क्वेस्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। यदि जांच में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आएगी तो सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस की शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि बच्चे दीवार कूदकर गोल्फ कोर्स परिसर के भीतर दाखिल हुए थे। लेकिन सवाल यह है कि इसकी घेराबंदी इतनी कमजोर क्यों है। करीब तीन वर्ष पूर्व निमार्णाधीन गोल्फ कोर्स में इसी प्रकार के हादसे, जिसमें तीन युवा दीवार कूदकर परिसर में दाखिल हुए थे, के बाद दीवार की ऊंचाई क्यों नहीं बढ़ाई गई। दीवार के उपर कंटीले तार से इसकी बाड़बंदी क्यों नहीं की गई।गोल्फ कोर्स के आसपास से गुजरने वाले लोगों ने बताया कि यहां गोल्फ कोर्स में दीवार कूदने वाले कई लोगों को देखा जा सकता है। खासकर शाम के समय ऐसा वही लोग कर सकते हैं जो यहां असामाजिक गतिविधियों को अंजाम देना चाहते हैं। आखिर उनकी नजर क्यों नहीं पड़ी लोग गोल्फ कोर्स परिसर की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाते हैं। जिस तालाब में बच्चे डूबे, उसके ठीक सामने सुरक्षाकर्मी का कमरा है। इसके बावजूद किसी को भनक तक नहीं लगी। कमरे के ठीक सामने बच्चों के कपड़े रखे थे, आखिर उनकी नजर क्यों नहीं पड़ी।लोगों का कहना है कि जब बच्चे परिसर में दाखिल हो सकते हैं तो बड़े तो दाखिल आसानी से हो सकते हैं। डीडीए को इस तरह की लापरवाही क्यों हुई, इसका उत्तर देना चाहिए। उधर, पुलिस ने डीडीए से घटना के समय ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मचारियों और अधिकारियों का पूरा ब्योरा तलब किया है।

दिल्ली: कार का शीशा तोड़कर अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खिलाड़ी अर्जुन छिल्लर की पिस्टल चोरी

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में रोहिणी सेक्टर-9 में कार का शीशा तोड़कर चोर अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खिलाड़ी अर्जुन छिल्लर की दो स्पोर्ट्स पिस्टल, मैग्जीन, .22 के सौ राउंड समेत कागजात चुरा ले गए। दो स्पोर्ट्स पिस्टल की कीमत पांच लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश आरंभ कर दी है। अंतरराष्ट्रीय शूटर अर्जुन छिल्लर की गाड़ी प्रगतिशील अपार्टमेंट के बाहर खड़ी थी, रात नौ और साढ़े 10 बजे के बीच अज्ञात लोग कार की खिड़की का शीशा तोड़कर बैग लेकर फरार हो गए। आयकर विभाग में कार्यरत अर्जुन के पिता राजेंद्र छिल्लर ने बताया कि बैग में दो स्पोर्ट्स पिस्टल, साढ़े तीन हजार रुपये नकद के अलावा क्रेडिट, डेबिट कार्ड, आयकर विभाग का पहचान-पत्र समेत कई जरूरी कागजात रखे थे। उन्होंने बताया कि बैग में एक एयर पिस्टल और दूसरी .22 पिस्टल (मेक विक्टर) और इसकी मैग्जीन व सौ राउंड कारतूस रखे थे। पिस्टल की कीमत तीन लाख रुपये और दूसरी की दो लाख रुपये थी। उन्होंने बताया कि प्रशांत विहार थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

दिल्ली में ढाई करोड़ के आभूषण चोरी का मामला, पुलिस ने किरायेदारों और घरेलू सहायकों के लिए शुरू किया विशेष अभियान

बाहरी दिल्ली। घर में रखे आभूषण-नकदी चोरी के मामलों में घरेलू सहायक-सहायिकाओं की संलिप्तता के बढ़ते मामलों के बीच पुलिस ने विशेष वैरिफिकेशन ड्राइव शुरू की है। उत्तर-पश्चिम जिले में पुलिस प्रशासन ने घर-बाजार जाकर किराएदार व घरेलू सहायक/सहायिका के वैरिफिकेशन के महत्व और लाभ के बारे में बताया। इस दौरान पुलिस ने किराएदार व सहायकों के कागजात भी जांचे। यह वैरिफिकेशन ड्राइव जिलेभर में चलाई जा रही है। डेढ़ करोड़ के आभूषण लेकर फरार हुई थी घरेलू सहायिका पुलिस टीम ने भारत नगर थाना क्षेत्र के राणा प्रताप बाग में वैरिफिकेशन ड्राइव चलाई। राणा प्रताप बाग में चार दिन पहले प्रेस करने वाली सहायिका ने 22-23 लाख रुपये के आभूषण चुरा लिये थे। इस घटना से पहले 19 अप्रैल को शालीमार बाग में व्यवसायी के घर से घरेलू सहायिका डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य आभूषण लेकर फरार हो गई थी।इस घटना से छह माह पहले इसी घरेलू सहायिका ने शालीमार बाग में ही एक करोड़ रुपये के जेवरात चुराए थे। दोनों जगह केवल दो दिन काम किया और तीसरे दिन आभूषण व नकदी लेकर चंपत हो गई। दोनों मकान मालिकों की पहले ही दिन आधार कार्ड मांगा, लेकिन बहानेबाजी कर टाल दिया।सोना उर्फ सोनिया नामक इस महिला की गिरफ्तारी के बाद सामने आया कि इसके गोल्ड लोन अकाउंट में दो किलोग्राम सोना रखा है। यही नहीं, विभिन्न बैंकों में उसके 15 गोल्ड लोन अकाउंट हैं। पुलिस का कहना है कि किराएदार व घरेलू सहायक की वैरिफिकेशन की प्रक्रिया आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

5 मई को राष्ट्रपति से मिलेंगे राघव चड्ढा, पंजाब में राज्य मशीनरी के दुरुपयोग का लगाएंगे आरोप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा 5 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वे पंजाब में राज्य मशीनरी के कथित दुरुपयोग और भाजपा में आए आप सांसदों के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध का मुद्दा उठाएंगे। मुलाकात का समय और साथी राष्ट्रपति से मुलाकात सुबह 10:40 बजे तय की गई है। राघव चड्ढा तीन अन्य सांसदों के साथ इस बैठक में शामिल होंगे। यह मुलाकात राघव चड्ढा के अअढ से इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन करने के लगभग 10 दिन बाद हो रही है। 24 अप्रैल को चड्ढा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आप से अलग होने का ऐलान किया था।चड्ढा का आप पर बड़ा हमला

चड्ढा ने कहा कि उन्होंने आप को अपना खून-पसीना देकर बनाया और 15 साल की जवानी पार्टी को समर्पित की, लेकिन अब पार्टी अपने मूल सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता से पूरी तरह भटक चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप अब देश या राष्ट्रहित में नहीं, बल्कि व्यक्तिगत लाभ के लिए काम कर रही है।दो-तिहाई सांसदों का बीजेपी में विलय

राघव चड्ढा ने दावा किया कि स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी, संदीप पाठक और अशोक मित्तल समेत कुल 6 अन्य राज्यसभा सांसद भी आप छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के तहत आप के दो-तिहाई से ज्यादा राज्यसभा सांसद अब भाजपा में विलय हो चुके हैं।

उत्तम नगर में एमसीडी का बड़ा एक्शन, हस्तसाल कॉलोनी के 19 अवैध ढाबे सील; मचा हड़कंप

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के पश्चिम जोन के जन स्वास्थ्य विभाग ने अवैध रूप से चल रहे ढाबों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करते हुए शनिवार को उत्तम नगर स्थित हस्तसाल पुनर्वासित कॉलोनी के विभिन्न हिस्से में चल रहे 19 ढाबों को सील कर दिया।

ये ढाबे कॉलोनी के ए, बी व सी ब्लाक में नियमों को ताक पर रखते हुए संचालित हो रहे थे। निगम का कहना है कि इनमें से किसी भी ढाबे के पास स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस नहीं था।

पिछले महीने हुआ था इलाके का निरीक्षण इस कार्रवाई की रूपरेखा पिछले महीने ही तैयार कर ली गई थी। 17 और 18 अप्रैल को जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस क्षेत्र में एक सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया था। जांच के दौरान पाया गया कि हस्तसाल पुनर्वासित कालोनी में कुल 30 ऐसे ढाबे थे, जिनके पास व्यापार चलाने के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य लाइसेंस नहीं था।

पहले काटा गया चालान, फिर जारी हुआ नोटिस निगम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इन सभी 30 इकाइयों का चालान काटा और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया। नोटिस मिलने के बाद 11 प्रतिष्ठान संचालकों ने स्वेच्छा से अपने व्यवसाय बंद कर दिए और इसकी लिखित सूचना विभाग को दे दी, जिसकी पुष्टि निरीक्षण के दौरान की गई।नोटिस की अनदेखी पड़ी भारी

शेष 19 ढाबा मालिकों ने निगम के आदेशों को गंभीरता से नहीं लिया। कारण बताओ नोटिस के बाद उन्हें ढाबा बंद करने का भी जारी किया गया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपना कामकाज जारी रखा। अंत में शनिवार को दिल्ली नगर निगम एक्ट का अनुपालन करते हुए निगम ने इन सभी 19 अवैध इकाइयों को पूरी तरह सील कर दिया। इस दौरान में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रही।

स्थानीय लोगों ने जताई खुशी

हस्तसाल पुनर्वासित कालोनी में हाल ही में हुए तरुण हत्याकांड के बाद से ही निगम लगातार सक्रिय है। अवैध निमार्णों पर हथौड़ा चलाने के बाद अब स्वास्थ्य मानकों को ताक पर रखने वाली दुकानों पर हुई इस कार्रवाई का स्थानीय निवासियों ने स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि ये अवैध भोजनालय न केवल नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, बल्कि सड़कों पर अतिक्रमण कर यातायात व लोगों की आवाजाही में भी बाधा उत्पन्न करते थे।

दक्षिणी दिल्ली में पार्किंग माफिया का दबदबा: MCD के आदेश के बाद भी 300 से अधिक वाहन पार्क

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में संगम विहार विधानसभा क्षेत्र स्थित गुरु रविदास मार्ग पर पार्किंग माफिया, एमसीडी एवं बीएसईएस के कुछ अधिकारियों की सांठ-गांठ का मुद्दा जब जागरण ने उठाया तो एमसीडी के लाभकारी परियोजना सेल को पार्किंग बंद करने के आदेश जारी करने पड़े। एमसीडी ने आदेश जारी कर पार्किंग के संचालन का कायार्देश प्रशासनिक कार्यों का हवाला देकर वापस ले लिया। तीन दिन पहले यानी 30 अप्रैल को जब एमसीडी की टीम ट्रैफिक पुलिस के साथ पहुंची तो उसकी भनक पार्किंग माफिया को पहले ही लग गई। आनन-फानन ज्यादातर गाड़ियां हटवा ली गईं। ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर मिले 60 वाहनों का 500 रुपये के हिसाब से 30 हजार रुपये का चालान काटा। इस कार्रवाई के अगले ही दिन से अवैध पार्किंग फिर से संचालित होने लगी। शनिवार को भी 300 से अधिक वाहन पार्क मिले।मुकेश नाम के एक वाहन स्वामी ने बताया कि उनके पास सात छोटे व्यावसायिक वाहन हैं। पहली तारीख को 2,000 रुपये प्रति वाहन एडवांस में जमा करने पड़ते हैं। शुक्रवार को सातों वाहनों का 14,000 रुपये उन्होंने पार्किंग संचालक को दिया। पार्किंग खत्म होने की जानकारी उन्हें भी है, पर संचालक ने भरोसा दिया कि सब जल्द ही मैनेज हो जाएगा।

वहीं एक और वाहन स्वामी हैं प्रेम कुमार। उनके पास पांच बड़े और दो छोटे व्यावसायिक वाहन हैं। हर महीने 19,000 रुपये किराया जमा करते हैं। बताते हैं कि इस बार भी शुक्रवार को 19 हजार रुपये जमा किया है। काम चले या न चले, किराया तो देना ही पड़ता है। तीन दिन पहले हुई एमसीडी की कार्रवाई का भी कोई असर होता नहीं दिख रहा है। सरफेस पार्किंग में अब भी वाहन धड़ल्ले से पार्क किए जा रहे हैं। अवैध कनेक्शन से बना दिया चार्जिंग प्वाइंट एमसीडी ने पार्किंग तो 65 वाहनों की आवंटित की थी पर इसमें ओखला एस्टेट मार्ग से मजीदिया लाल बत्ती के पास तक लगभग डेढ़ किलोमीटर की दूरी में 300 से अधिक व्यावसायिक वाहन पार्क रहते थे। विधायक की आपत्ति के बावजूद न केवल लाइसेंस नवीनीकरण हुआ, बल्कि बीएसईएस का मीटर लगाकर अवैध रूप से ई-रिक्शा चार्जिंग प्वाइंट भी संचालित होने लगे। अधिकारियों से साठगांठ इस प्रकार थी बिजली के कनेक्शन के लिए जहां सामान्य लोगों को आवेदन करते हुए कई मानकों का पालन करना होता है, वहीं पार्किंग को बिना आवेदन ही कनेक्शन मिल गया था। सीसीटीवी कैमरा चलाने के नाम पर लिए गए बिजली कनेक्शन से ई-रिक्शा चार्ज हो रहे हैं। एक ई-रिक्शा चार्ज करने के 100 रुपये तक वसूले जाते हैं। इस मुद्दे को स्थानीय विधायक चंदन चौधरी ने 25 मार्च को विधानसभा में भी उठाया था। बीएसईएस ने कनेक्शन काट दिया। बावजूद इसके अब भी अवैध कनेक्शन से ई-रिक्शा चार्जिंग प्वाइंट धड़ल्ले से चलाया जा रहा है।

दिल्ली: छात्रा के घर में ट्यूशन पढ़ाने वाली टीचर ने तोड़ा भरोसा, हीरे जड़े कंगन समेत लाखों के आभूषण उड़ाए

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिम विहार ईस्ट थाना क्षेत्र में एक छात्रा के घर में ट्यूशन पढ़ाने वाली शिक्षिका ने भरोसे को तोड़ते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी महिला ट्यूशन शिक्षिका को अपने ही छात्र के घर से सोने और हीरे के कीमती जेवरात चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के पास से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया है। बरामद आभूषण में पुलिस ने आरोपी के पास से सोने की छह चेन और सोने का एक मंगलसूत्र, सोने का नेकलेस, हीरे जड़े कंगन व अंगूठिया, हीरे के टॉप्स इत्यादि शामिल है। ई-एफआइआर दर्ज कराई पुलिस के अनुसार शुक्रवार को पश्चिम विहार निवासी एक व्यक्ति ने ई-एफआइआर दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनके घर से सोने-हीरे के आभूषण, एक पर्स, महंगे परफ्यूम और अन्य सामान गायब हैं। प्राथमिकी होने के बाद पुलिस ने तुरंत छानबीन शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली वहीं, जांच के दौरान पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध महिला नजर आई। पूछताछ में पता चला कि वह महिला शिकायतकर्ता के घर पर कक्षा छह के छात्र को पढ़ाने आती थी। छानबीन के बाद उसकी पहचान पश्चिमपुरी निवासी शिक्षिका के रूप में हुई।पुलिस की एक टीम ने शुक्रवार को ही आरोपित महिला के घर पर छापेमारी कर उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपित ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पूछताछ में उसने बताया कि पढ़ाते समय उसकी नजर एक अलमारी पर पड़ी जो खुली रह गई थी। भारी मात्रा में जेवरात देख वह लालच में आ गई और मौका पाकर कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या महिला पहले भी इस तरह की किसी वारदात में शामिल रही है।

दिल्ली मेट्रो का मेगा विस्तार: 97 KM लंबे 7 नए कॉरिडोर का प्लान तैयार, आउटर दिल्ली में मजबूत होगी कनेक्टिविटी

नई दिल्ली। राजधानी में मेट्रो नेटवर्क को और व्यापक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के साथ मिलकर दिल्ली सरकार ने सात नए मेट्रो कॉरिडोर विकसित करने की योजना तैयार की है। इस विस्तार के तहत करीब 97 किलोमीटर लंबा नेटवर्क बिछाया जाएगा और 65 नए स्टेशन बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रस्तावित ह्यफेज-5बी प्रोजेक्ट पर करीब 48,000 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। इसका मकसद उन इलाकों को मेट्रो से जोड़ना है, जो अब तक नेटवर्क से बाहर हैं या जहां कनेक्टिविटी सीमित है। आउटर दिल्ली पर खास फोकस इस योजना में नरेला, नजफगढ़, खेड़ा कलां और मीठापुर जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। नए रूट इन इलाकों को सीधे सेंट्रल और साउथ दिल्ली से जोड़ेंगे, जिससे रोजाना आने-जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।2029 तक 4 रूट तैयार करने का टारगेट सरकार ने सात में से चार कॉरिडोर को प्राथमिकता श्रेणी में रखा है। इन पर काम तेज गति से करने की योजना है ताकि इन्हें 2029 से पहले चालू किया जा सके। परियोजना की डीपीआर तैयार हो चुकी है और अब अंतिम मंजूरी का इंतजार है।प्रस्तावित 7 मेट्रो कॉरिडोर एक नजर में 1. धांसा बस स्टैंड झ नांगलोई (11.86 किमी` 9 स्टेशन) नजफगढ़ क्षेत्र को ग्रीन लाइन से जोड़ेगा, ग्रामीण इलाकों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

2. सेंट्रल सेक्रेट्रिएट - किशनगढ़ (15.97 किमी)
लुटियंस दिल्ली से वसंत कुंज बेल्ट तक कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

3. समयपुर बादली - नरेला (12.89 किमी` 8 स्टेशन)
येलो लाइन का विस्तार, नरेला को मेट्रो मैप पर मजबूती से लाएगा।

4. कीर्ति नगर - पालम (9.96 किमी` 6 स्टेशन)
ब्लू और मैजेंटा लाइन के बीच नया लिंक, रिंग रोड पर ट्रैफिक कम होगा।

5. जोरबाग - साकेत/जी-ब्लॉक (16.99 किमी` 12 स्टेशन)
साउथ दिल्ली के अंदरूनी हिस्सों में सीधी मेट्रो पहुंच सुनिश्चित करेगा।

6. शास्त्री पार्क - मयूर विहार फेज-3 (13.2 किमी` 8 स्टेशन)
ईस्ट और नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

7. केशवपुरम - रोहिणी सेक्टर-34 (16.29 किमी` 12 स्टेशन)
रोहिणी के बाहरी सेक्टरों को पहली बार मेट्रो से जोड़ा जाएगा।

विस्तार के फायदे

दूर के इलाकों से सेंट्रल दिल्ली तक सफर आसान सड़क पर ट्रैफिक और प्रदूषण में कमी नए इलाकों में रियल एस्टेट और बिजनेस को बढ़ावा लाखों यात्रियों का समय बचेगाकुल मिलाकर, यह विस्तार सिर्फ नए रूट जोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली के शहरी फैलाव के साथ ट्रांसपोर्ट सिस्टम को संतुलित करने की बड़ी कोशिश है। अगर योजना तय समय पर जमीन पर उतरती है, तो आने वाले वर्षों में राजधानी की यात्रा व्यवस्था पूरी तरह बदल सकती है।

पेड पीआर बंद होना चाहिए

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने हाल ही में अपने लोकप्रिय टीवी शो 'कॉफी विद करण' के नए सीजन की घोषणा की। इससे शो के फैंस काफी उत्साहित हैं। अब निर्माता ने इंडस्ट्री में होने वाले पेड पीआर को लेकर बात की। उन्होंने पेड पीआर कल्चर को बंद करने की बात कहते हुए कहा कि बॉलीवुड को अपने काम को ही बोलने देना चाहिए और प्रचार-प्रसार कम करना चाहिए। हाल ही में एक चर्चा में करण जौहर शामिल हुए। यहां एक कंटेस्टेंट ने जाह्नवी कपूर और शनाया कपूर जैसी अभिनेत्रियों द्वारा अपनी हालिया फिल्मों 'परम सुंदरी' और 'तू या मैं' के लिए 'मेथड मार्केटिंग' करने का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि क्या पीआर का यह चलन बॉलीवुड में भी फैल सकता है? इस पर करण ने जवाब दिया कि मुझे लगता है कि बॉलीवुड को पीआर करना बंद कर देना चाहिए। यह कहीं बेहतर होगा। उन्हें अपनी उपलब्धियों को खुद बोलने देना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्य से आजकल सारा पीआर पेड पीआर ही है। इसलिए अगर आप यह कहना चाहते हैं कि आप खूबसूरत दिख रहे हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। अगर आपको यह कहना है कि आप धरती पर सबसे अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। मुझे लगता है कि पीआर के मामले में हम हद से ज्यादा सक्रिय हैं। इसलिए, वे मेथड मार्केटिंग कर रहे हैं या नहीं, यह मायने नहीं रखता। उन्हें खुद की मार्केटिंग करना बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए। यहां हर चीज पैसे देकर मिलती है इस दौरान करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका निशाना कोई खास कलाकार नहीं था, बल्कि वे आम चलन की बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब उन लोगों से नहीं है, जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। मेरा मतलब आम तौर पर सभी से है। पीआर और मार्केटिंग काम की महत्वपूर्ण कैटेगरी हैं और इन्हें उसी के हिसाब किया जाना चाहिए। किन अब हर चीज पैसे देकर मिलती है और यह बात बेहद परेशान करने वाली हो सकती है। क्योंकि तब आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि क्या लोगों को पसंद आ रहा है और क्या नहीं। अब आप हर चीज को इस नजरिए से देखते हैं, 'क्या लोग सच में इसे पसंद कर रहे हैं या उन्हें पसंद करने के लिए पैसे दिए गए हैं?'

हिंदी के लिए साई पल्लवी ने मांगी माफी, बॉलीवुड डेब्यू से पहले नर्वस हैं एक्ट्रेस

साई पल्लवी आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ 'एक दिन' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू को तैयार हैं। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर एक इवेंट हुआ, जिसमें आमिर खान समेत फिल्म की कास्ट भी मौजूद रही। इस इवेंट में साई पल्लवी भी पहुंचीं, जहां उन्होंने इमोशनल स्पीच दिया। इस दौरान साई ने अपनी कमजोर हिंदी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी घबराई हुई भी हैं।

कमजोर हिंदी के लिए मांगी माफी

कार्यक्रम के दौरान जब साई पल्लवी को मंच पर बोलने के लिए बुलाया गया, तो एक्ट्रेस ने हिंदी पर अपनी सीमित पकड़ के लिए माफी मांगी। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद लोगों को आगाह किया कि बोलते समय उनसे ग्रामेटिकल मिस्टेक हो सकती है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए साई ने स्वीकार किया कि उन्होंने हिंदी में बोलने की तैयारी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि हमें इस कार्यक्रम में बोलना होगा। कम से कम मैं हिंदी में कुछ सीख तो लेती, लेकिन कृपया मुझे माफ कर दीजिएगा। व्यक्तिगत रूप से मैं आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं। फिल्म की कास्ट और क्रू की तारीफ करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आप सब अविश्वसनीय थे, हर एक व्यक्ति, आप सभी बहुत ही सुंदर कहानीकार हैं। मैं आपकी भावनाओं को महसूस कर सकती थी, मैं अपने सामने के सीन को देख सकती थी। यह सचमुच बहुत खूबसूरत था।

आमिर का जताया आभार

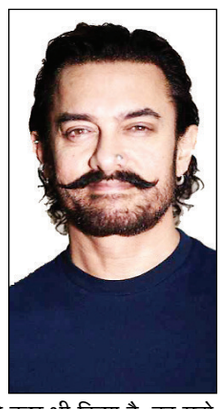

साई ने इंडस्ट्री में अपने सफर को लेकर कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में थिएटर जाने वाली, ऐसी जगह जाने वाली थी जहां इतनी प्रतिभाओं का संगम हो। लेकिन मैंने जो कुछ भी किया है, वह मुझे यहां तक ले आया है और मैं इस पूरी यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। आमिर खान को धन्यवाद देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आमिर सर, मुझे इस तरह का मौका देने और इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए चुनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जब भी आप सब प्यार की बात करते थे, मैं आपके चेहरे पर चमक देख सकती थी। यह मेरी पहली हिंदी फिल्म होने जा रही है। मैं सचमुच बहुत घबराई हुई हूं। लेकिन यह एक बेहद खूबसूरत सफर है। पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद।

मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म सिनेमाघरों में बनी हुई है। हाल ही में अक्षय कुमार का कहना है कि सफलता के लिए मेहनत जरूरी होती है। लेकिन मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं अभिनेता अपने फिल्मी सफर को लेकर भी बात की। क्विज रियलिटी शो 'व्हील्स ऑफ फॉर्च्यून' को होस्ट कर रहे अक्षय कुमार ने मेहनत और भाग्य को लेकर अपनी राय रखी। शो में अक्षय ने कहा कि मैं अपने अनुभवों के आधार पर ऐसा मानता हूं कि मेहनत की जरूरत तो है और मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं। लेकिन मेरे करियर में या अक्षय कुमार ने फिल्म सेट पर अपने रोजमर्रा के अनुभवों के आधार पर आगे बताया कि उन्हें नियमित रूप से हजारों ऐसे युवा, महत्वाकांक्षी अभिनेता मिलते हैं जो उनसे अधिक प्रतिभाशाली या दिखने में बेहतर होते हैं। लेकिन फिर भी गुमनाम रह जाते हैं, क्योंकि इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए तमाम कोशिशों के बावजूद किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया है।

तीन दशकों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं अक्षय

अक्षय कुमार तीन दशकों से अधिक समय से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं और अब उनकी गिनती इंडस्ट्री के टॉप लीडिंग स्टार्स में होती है। उन्होंने लगभग 150 से भी अधिक फिल्में की हैं। इनमें कई ब्लॉकबस्टर और सुपरहिट फिल्में रही हैं। इनमें 'हेरा फेरी', 'केसरी', 'जॉली एलएलबी', 'हाउसफुल' और 'खिलाड़ी' सीरीज जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं।

अक्षय की पाइपलाइन में हैं ये बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म से अक्षय और प्रियदर्शन की हिट जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है

आज की तेजी से बदलती दुनिया और तकनीक के विस्तार ने युवाओं की जीवनशैली को पूरी तरह से बदल दिया है। अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अनोखे रिलेशनशिप ट्रेंड्स और नए 'स्लैंग' के कारण चर्चा में रहने वाली जेनजी को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने अपने विचार शेयर किए। अभिनेत्री ने एक पॉडकास्ट का क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें काजोल ने अपनी और जेनजी के बीच की बुनियादी अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है। उनका मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को इंटरनेट से मिलने वाले 'शोर' से बाहर निकलकर खुद के लिए फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं है, बल्कि अपने मूल्यों और सीमाओं को खुद परिभाषित करना ही असल परिपक्वता है। काजोल कहती हैं, 'मुझे लगता है कि जेनजी इस समय 'जानकारी के ओवरलोड' से गुजर रही है। हम ऐसे समय में बड़े हुए जब जानकारी बहुत सीमित हुआ करती थी। इसलिए हमें अपनी नैतिकता, सीमाएं और सही-गलत का फैसला खुद अपनी सोच से करना पड़ता था।' अभिनेत्री ने बताया कि आज के युवाओं के पास हर चीज के बारे में जवाब उपलब्ध हैं। हर कोई जानता है कि क्या सही है और क्या गलता, लेकिन वे इसमें इस कदर खोए हुए हैं कि वे यह तय नहीं कर पा रहे कि उनके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या सही है।

बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का टॉक्सिक से होगा मुकाबला

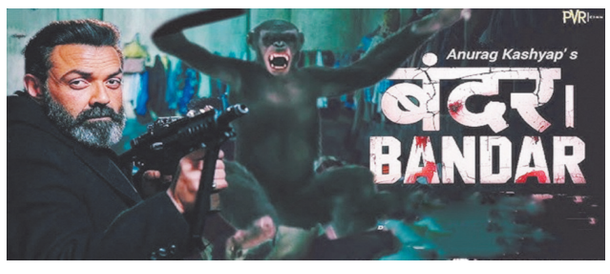

बॉबी देओल अपनी आगामी फिल्म 'बंदर'/ 'मंकी इन अ केज' को लेकर चर्चा में हैं। बीते साल सितंबर में इसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। इस साल फरवरी में फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए इंतजार करना होगा।

फिल्म 'बंदर' अब मई में नहीं, बल्कि जून में रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से इसकी टक्कर होगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक फिल्म 'बंदर' 05 जून को दुनियाभर के थिएटर्स में दस्तक देने जा रही है। बता दें कि यश की मेगा बजट फिल्म 'टॉक्सिक' 04 जून, 2026 को रिलीज हो रही है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी, बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद और सपना पब्बी अभिनीत फिल्म 'बंदर' को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते साल जुलाई में रिलीज किया किया गया था। तब इस फिल्म का सलेक्शन टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब यह फिल्म भारतीय दर्शकों तक पहुंच रही है।

दोस्ती शादी को सरल बनाती है

टीवी, फिल्में और ओटीटी पर अपनी यादगार भूमिकाओं से पहचान बनाने वाली कृतिका कामरा हाल ही में शादी के बाद काम पर लौट आई हैं। पिछले दिनों जाने -माने वीजे और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर के साथ अपने सादगी भरी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली कृतिका इन दिनों ओटीटी की वेब सीरीज 'मटका किंग' से खबरों में हैं। इस मुलाकात में वे अपने काम के अलावा अपनी शादी और शादी के बाद होम मैनेजमेंट जैसे मुद्दों पर दिल खोलकर बात करती हैं

कृतिका बताती हैं कि उनके प्यार को शादी की मंजिल तक पहुंचाने में उनके बीच की दोस्ती का बड़ा हाथ रहा। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि दो पार्टनर के बीच दोस्ती एक ऐसी चीज है, जो दोनों के रिश्ते को सरल बनाती है। वो हमारे बीच शुरू से ही थी। उसके अलावा हम दोनों ही एक-दूसरे की निजता की इज्जत करते हैं। हमारे काम की, हमारे सफर की। मेरी तरह गौरव भी मुंबई से नहीं हैं। हम दोनों ही बाहर से आए और हमने अपनी जगह बनाई, तो हम एक-दूसरे से रिलेट कर पाते हैं। गौरव और मैंने दोनों ने यंग एज से काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने जिस इज्जत और मेहनत से अपना मुकाम बनाया है, मैं उसकी बहुत कद्र करती हूं। मुझे पता है कि आपको किस तरह से अपने वैल्यूज को बरकरार रखते हुए समझौते भी करने होते हैं। हम अपने वर्क एथिक्स पर बहुत ध्यान देते हैं। हम दोनों ही बहुत सारी चीजें साथ में करना पसंद करते हैं, पर अपने-अपने काम को लेकर हम इंडिविजुअल हैं।'

घर का काम मिल-जुलकर करते हैं

अपने होम मैनेजमेंट के बारे में कृतिका कहती हैं, 'हम लोग सालों से मुंबई में अकेले रहते आए हैं, तो घर चलाना गौरव को भी आता है और मुझे भी। अब जैसे मेरी सीरीज के प्रमोशन्स के दौरान गौरव का आईपीएल चल रहा था, तो उनकी शाम की शिफ्ट थी। उस दौरान लंच में क्या होगा, वो देख लेंगे। जो जिस वक्त वे घर पर होते हैं, वे देख लेते हैं और हम मिल-जुलकर काम करते हैं। हम दोनों ही खाना पकाना जानते हैं, ये अलग बात है अभी बनाते नहीं हम। मगर ये सच है कि हमारे रोल ट्रेडिशनली डिफाइन नहीं हैं। अब जैसे मेरी मम्मी भी वर्किंग वुमन थीं और उन्हें घर और ऑफिस के दोनों काम करने पड़ते थे। मगर मैं घर का खयाल उन दिनों रखती हूं, जिन दिनों मैं घर पर होती हूं। घर चलाना मेरी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है। गौरव भी सामान रूप से पार्टिसिपेट करते हैं।'

जब दिल और दिमाग ने कहा, तब शादी की

कृतिका और गौरव लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थें। फिर बात शादी तक कैसे पहुंची? इस सवाल पर वे कहती हैं, 'मुझे मैरिज इंस्टिट्यूशन पर हमेशा से बहुत गहरा विश्वास रहा है और मैंने इसे कभी हलके में नहीं लिया। चूंकि मैं शादी की अहमियत को समझती हूं, तो मुझे हमेशा से लगा था कि मेरा दिल और दिमाग जब दोनों हां बोलेंगे, तो मैं शादी के लिए तैयार समझूंगी खुद को। हर लड़की को इसी तरह से सोचना चाहिए। हम लोग शादी करने के लिए नहीं मिले थे, मगर फिर धीरे-धीरे हम एक-दूसरे को जानने लगे। मैंने गौरव की कई छोटी-छोटी बातें नोट कीं।'

तेज गर्मी में बूफोन लुक चुनौतीपूर्ण

टीवी से ओटीटी की दुनिया में आई कृतिका कहती हैं, 'टीवी छोड़े हुए मुझे काफी समय हो गया है, मगर मैंने टीवी पर जितना भी काम किया है, यादगार रोल किए। ओटीटी की मेरी जर्नी तांडव से शुरू हुई थी। उसके बाद मुझे कई बड़े और अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। कई बार ऐसा भी हुआ कि वो उनकी पहली वेब सीरीज थी। जैसे ये नागराज मंजुले जी की पहली सीरीज है। अपनी ओटीटी की जर्नी को लेकर मैं बहुत खुश हूं।' अपनी नई सीरीज मटका किंग में कृतिका 60-70 के दशक के लुक में हैं। उनका कहना है कि मेकअप को सेट करने में बहुत वक्त लगता था। बकौल कृतिका, 'इससे पहले कई सीरीज में मैं नो मेकअप लुक में भी रही हूं, पर इस रोल में सिक्टीज के लुक में सजने - संवारने के पूरे मौके थे, तो मजा भी खूब आया, मगर इस लुक के लिए मुझे सेट पर दो घंटे पहले आना पड़ता था। मुझे याद है कि हम रेसकोर्स का सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मेरा हेयरस्टाइल बूफोन लुक था। उस लुक में सिर पर एक पफ बनाना पड़ता है। उस पर मैंने हैट भी पहनी थी और हाथों में ग्लव्ज भी। पीक गर्मी में इस लुक के साथ शूट करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।